www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 75 || लखनऊ
सोमवार
15 जून 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:12
सूर्यास्त: 07:01
अधिकतम: 39°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07

विशेष समाचार: खून और पानी एक साथ नहीं ... >> पेज 04 | भीड़ के बीच पुलिस कर्मियों से... >> पेज 06 | सलमान खान पार्टी में नए लुक ...

फास्ट न्यूज

भारतीय फौज ने उतारे गुलामी के दौर के निशान

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने जवानों की यूनिफॉर्म से गुलामी के दौर की निशानियों को हटा दिया है। 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया है। सेना का कहना है कि ये बदलाव भारत की संप्रभु पहचान और राष्ट्रीय भावना के मुताबिक किए गए हैं।

एएन-32 क्रैश में शहीद प्रशांत पंचतत्व में विलीन

देहरादून। असम के जोरहाट एयरबेस पर AN-32 विमान हादसे में शहीद हुए स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। देहरादून के किशन बहादुर थापा मार्ग स्थित श्मशान घाट में सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उनकी मां हाथ में तिरंगा लेकर पहुंचीं, जबकि पत्नी प्रशांत की तस्वीर थामे काफी देर तक चिता के पास खड़ी रहीं। शहीद का पार्थिव शरीर शनिवार शाम करीब 4 बजे दिल्ली से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचा था। वहां से उसे सेलाकुई स्थित आवास लाया गया, जहां कुछ समय के लिए अंतिम दर्शन के लिए रखा गया।

मानसून छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर पहुंचा

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। मानसून की झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में एंट्री हो गई। फिलहाल यह छत्तीसगढ़ की बॉर्डर पर है। अगले 3 दिन में इसके मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पहुंचने की संभावना है।

4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है।

मुरैना में ट्रेन से कटकर 4 यात्रियों की मौत

इनमें 3 महिलाएं, एक बच्चा, आग की अफवाह से उतरे, दूसरी ट्रेन की चपेट में आए

"जानकारी के मुताबिक, हादसा उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के हेतमपुरझधौलपुर रेलखंड पर हुआ। गाड़ी संख्या 19665 खजुराहोझउदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस रविवार करीब 4:15 बजे हेतमपुर और धौलपुर स्टेशन के बीच अचानक रुक गई थी।

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में रविवार को एक दर्दनाक रेल हादसा सामने आया, जिसमें चार यात्रियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में "मोबाइल में ब्लास्ट" होने की अफवाह फैलते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग डर के कारण ट्रेन से नीचे उतर गए। रेलवे सूत्रों के अनुसार, ट्रेन के एक कोच में अलार्म चेन पुलिंग (ACP) की गई थी, जिसके कारण उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस बीच सेक्शन में रुक गई। इसी दौरान कोच के अंदर किसी यात्री ने मोबाइल ब्लास्ट जैसी अफवाह फैला दी, जिससे स्थिति अचानक बेकाबू हो गई।

मुरैना में ट्रेन से कटने से 4 यात्रियों की मौत हो गई।

अफवाह के चलते कई यात्री घबराकर तुरंत ट्रेन से नीचे उतर आए। कुछ यात्री पास के दूसरे ट्रैक की ओर चले गए, बिना यह समझे कि वहां से दूसरी ट्रेन भी गुजर सकती है। इसी जल्दबाजी ने एक बड़े हादसे का रूप ले लिया। घटना के बाद रेलवे प्रशासन और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि हादसा अफवाह और यात्रियों की घबराहट का नतीजा था।

अधिकारियों ने चेन पुलिंग की घटना और अफवाह फैलाने वाले कारणों की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आए चार लोग

इसी दौरान अप लाइन से गुजर रही 20424 फिरोजपुर–सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस वहां पहुंच गई। ट्रैक पर मौजूद चार यात्रियों को संभलने का मौका नहीं मिला और वे उसकी चपेट में आ गए। हादसे में तीन महिलाओं और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।

मोबाइल ब्लास्ट की सूचना के बाद घबराए यात्री

बागेश्वर धाम से लौट रही यात्री पूजा के अनुसार, कोच में मोबाइल ब्लास्ट की अफवाह फैलते ही अफरा-तफरी मच गई। चेन पुलिंग के बाद ट्रेन रुकते ही यात्री घबराकर नीचे उतर गए और ट्रैक की ओर भागने लगे।

- हादसे के बाद यात्रियों की भीड़ जुट गई। रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे।
- यात्रियों ने घबराकर ट्रेन से लगाई छलांग।

रेलवे और प्रशासन की कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही RPF, GRP और स्थानीय प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों की तलाश और राहत कार्य शुरू किया गया। रेलवे ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है और प्रारंभिक कारणों की पुष्टि की जा रही है।

ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, होर्मुज खोलेगा

अमेरिका के समझौता ड्राफ्ट पर सहमत, अमेरिका ईरानी तेल से पाबंदी हटाएगा

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के लिए तैयार किए गए ड्राफ्ट में न्यूक्लियर प्रोग्राम, ऑयल बैन, फ्रीज प्रॉपर्टी और होर्मुज से जुड़े मुद्दों पर सहमति बन गई है। यह दावा रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने एक सीनियर ईरानी अधिकारी के हवाले से किया है। रिपोर्ट के मुताबिक ड्राफ्ट में ईरान ने कहा है कि वह न परमाणु हथियार बनाएगा और न ही किसी दूसरे देश से हासिल करेगा। फाइनल समझौता होने तक ईरान

अपने मौजूदा परमाणु कार्यक्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा। वो यूरेनियम एनरिच्ड नहीं करेगा और नए न्यूक्लियर सेंटर्स का विस्तार भी नहीं करेगा। ईरान सभी कारोबारी जहाजों के लिए होर्मुज तुरंत खोल देगा। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शुरू करेगा। अमेरिका कुछ समय के लिए ईरान के तेल निर्यात पर लगी पाबंदियों में भी छूट देगा। ड्राफ्ट के मुताबिक, अमेरिका ईरान की 25 अरब डॉलर की जब्त की हुई प्रॉपर्टी जारी करेगा। साथ ही अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर ईरान के रिडेवलपमेंट और विकास की योजना भी तैयार करेगा। समझौते के बाद 60 दिन की नई बातचीत का प्लानः रिपोर्ट के मुताबिक पहले एक अंतरिम MoU साइन होगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी-मैक्रों ने की द्विपक्षीय बैठक

ऐतिहासिक विला केरीलोस घूमने गए, सेल्फी ली, पीएम बोले- भारत सॉल्यूशन लेने वाला नहीं, देने वाला देश

मिटिगं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/पेरिस/ब्रातिस्लावा। फ्रांस के नीस शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ रविवार को द्विपक्षीय बैठक की। इसमें प्रधानमंत्री के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी शामिल रहे। दोनों देशों के बीच रक्षा, तकनीक, AI, सेमीकंडक्टर, स्पेस टेक्नोलॉजी, हेल्थ-टेक, निवेश और रणनीतिक सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। इससे पहले दोनों नेताओं ने 'भारत इनोवेट्स 2026' प्रोग्राम का उद्घाटन किया, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के स्टार्टअप्स और वेंचर कैपिटल फंड्स ने हिस्सा लिया। .'2Rप्रोग्राम के बाद राष्ट्रपति मैक्रों प्रधानमंत्री मोदी को नीस के पास स्थित विला केरीलोस घुमाने ले गए। यह फ्रांस की प्रसिद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है।

मैक्रों ने यहां पीएम के साथ सेल्फी ली और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

फ्रांस से 114 राफेल विमानों की डील पर चर्चा की उम्मीद

मोदी और मैक्रों के बीच द्विपक्षीय बैठक में हुई बातचीत का ऑफिशियल ब्योरा अभी जारी नहीं किया गया है। हालांकि, इसमें 114 राफेल लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित डील, रक्षा सहयोग, तकनीक, AI, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की संभावना जताई जा रही है। इनमें सबसे अहम वायु सेना के लिए 114 रफाल की डील है। करीब सवा 3 लाख करोड़ रुपए के इस सौदे में भारत विमानों के साझा विकास और उत्पादन के अलावा टेक्नोलॉजी का पूरा ट्रांसफर चाहता है।

जी 7 क्या है, इसमें कौन-कौन से देश हैं?

G7 यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन', दुनिया के उन 7 देशों का समूह है, जिन्हें दुनिया की 'मॉडर्न इकोनॉमी' वाला देश कहा जाता है।

इनमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं। इसकी शुरुआत 1975 में G6 के रूप में हुई थी।

1976 में कनाडा के जुड़ने के बाद यह G7 बन गया। 1998 में रूस को शामिल कर इसका नाम G8 कर दिया गया, लेकिन 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया क्षेत्र पर रूस के कब्जे के बाद उसे समूह से बाहर कर दिया गया।

इसके बाद यह फिर से G7 कहलाने लगा।

मैक्रों बोले- दुनिया भारत के साथ इनोवेशन करना चाहती है, 5 बड़ी बातें

- भारत ग्लोबल इनोवेशन का नेतृत्व कर रहाः मैक्रों ने कहा कि भारत रिसर्च, इनोवेशन और तकनीकी विकास के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। भारत हर साल यूरोप और अमेरिका को मिलाकर जितने इंजीनियर तैयार होते हैं, उतने इंजीनियर तैयार करता है।
- दुनिया भारत के साथ इनोवेशन करना चाहती हैः मैक्रों ने कहा कि अब सवाल यह नहीं है कि भारत इनोवेशन करता है या नहीं। सवाल यह है कि दुनिया में कौन भारत के साथ मिलकर इनोवेशन करेगा।
- AI में खुले और सहयोगी मॉडल का समर्थनः उन्होंने कहा कि कुछ देश AI मॉडल्स को सीमित करना चाहते हैं। लेकिन भारत और फ्रांस खुले, बहुभाषी और सहयोगी AI मॉडल के पक्षधर हैं।
- मोदी के नेतृत्व की तारीफः मैक्रों ने नरेंद्र मोदी को स्वतंत्रता के बाद सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उनकी दृढ़ कार्यशैली, भारत की ताकत और नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है।
- ऊर्जा और जलवायु पर साथ काम कर रहे दोनों देशः नागरिक परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की बड़ी संभावनाएं हैं। स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) जैसी नई परमाणु तकनीकों में भी भारत और फ्रांस साथ काम कर सकते हैं।

इनोवेशन प्रोग्राम में पीएम बोले- दोनों देशों का विजन एक, 5 बड़ी बातें

- भारत–फ्रांस का रिश्ता खास: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता सिर्फ व्यापार या रणनीतिक साझेदारी तक सीमित नहीं है। यह भरोसे, साझा सोच और साझा लक्ष्यों पर आधारित है। दोनों देश मिलकर दुनिया की कई बड़ी चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में काम कर रहे हैं।
- 'भारत इनोवेट्स' युवाओं के लिए बड़ा मंच: मोदी ने कहा कि 'भारत इनोवेट्स' भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय निवेश को जोड़ने वाला मंच है। इससे भारतीय स्टार्टअप्स, युवा उद्यमियों और नए आइडिया को दुनिया के बड़े निवेशकों और विशेषज्ञों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।
- भारत स्टार्टअप्स का बड़ा केंद्र: प्रधानमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में 100 से ज्यादा स्टार्टअप्स शामिल हैं, लेकिन भारत में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स काम कर रहे हैं। ये स्टार्टअप्स भारत के साथ–साथ दुनिया की अर्थव्यवस्था और तकनीकी विकास में भी योगदान दे रहे हैं।
- नई तकनीकें बदलेंगी भविष्य: मोदी ने कहा कि दुनिया कई चुनौतियों से गुजर रही है, लेकिन हर चुनौती नए मौके भी लेकर आती है। AI, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और अंतरिक्ष तकनीक जैसी नई तकनीकें आने वाले समय में दुनिया का भविष्य तय करेंगी।
- युवा दे रहे हैं समस्याओं का समाधान: प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में स्टार्टअप क्रांति चल रही है। देश के युवा नई सोच के साथ लोगों की समस्याओं का हल निकाल रहे हैं।

युद्धस्तर पर चलाएं अभियान : योगी

पीडब्लूडी की समीक्षा में डीएम-कमिश्नर को भी सौंपा जिम्मा

समीक्षा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर में रविवार को एनेक्सी भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर और आजमगढ़ मंडल में चल रहे लोक निर्माण विभाग (PWD) के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दोनों मंडलों में चल रही और लंबित परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों से ली। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी सड़क निर्माण कार्य "युद्धस्तर" पर तेजी से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि हर परियोजना को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा करना अनिवार्य है। सीएम योगी ने विशेष रूप से कहा कि मानसून से पहले चल रही सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता देकर समय पर पूरा किया जाए, ताकि बरसात में लोगों को परेशानी न हो। बैठक में सीएम ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना को लेकर भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोरखपुर और आजमगढ़ मंडल के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सड़क निर्माण की प्राथमिकता तय कर तत्काल कार्ययोजना तैयार की जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि योजना की रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराई जाए ताकि समय रहते बजट स्वीकृत किया जा सके और टेंडर प्रक्रिया भी बिना देरी पूरी हो।

श्रमिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री ने सेतु निगम सहित सभी निर्माण कार्यों में श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी श्रमिकों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराई जाए और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन हो। सीएम योगी ने देवरिया में बन रहे 'मोहन सेतु' की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण स्थल का नियमित निरीक्षण करने और काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि जो ठेकेदार "बिलो टेंडर" पर काम ले रहे हैं, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए और अनियमितता की आशंका पर कार्रवाई की जाए।

>> (शेष पेज 06 पर)

कीर्ति आजाद लोकसभा स्पीकर के आवास पहुंचे, अभिषेक बनर्जी ने भी बिरला को पत्र लिखा

बागी टीएमसी सांसदों की बीजेपी बंगाल प्रभारी के घर हुई मीटिंग

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता से बड़ी राजनीतिक खबर सामने आई है, जहां तृणमूल कांग्रेस (TMC) के कई बागी नेता दिल्ली में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। काकोली घोष दस्तिदार, शताब्दी रॉय और अन्य असंतुष्ट नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आवास पर मुलाकात की। इससे पहले यह भी सामने आया कि इस बागी गुट की एक बैठक केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर हुई थी। इसी बीच टीएमसी के कुछ अन्य सांसद, जिनमें कीर्ति आजाद और सागरिका घोष शामिल हैं, भी लोकसभा अध्यक्ष के आवास पर पहुंचे। बैठक के बाद नेताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ और 10वीं अनुसूची के अनुसार पार्टी में औपचारिक विभाजन का स्पष्ट प्रावधान नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी पार्टी की पहचान सिर्फ संख्या से नहीं होती।

>> (शेष पेज 06 पर)

"टीएमसी में बढ़ती असंतोष की खबरों ने राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है। अब सभी की नजरें लोकसभा अध्यक्ष और पार्टी नेतृत्व के अगले कदम पर टिकी हैं। पार्टी की आधिकारिक प्रतिक्रिया और आगे की रणनीति को लेकर स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है।

हार के 14 दिन बाद ही टीएमसी में दरार की शुरुआत

चुनाव परिणाम के बाद तेजी से बढ़ा असंतोष

सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी की पार्टी में अंदरूनी खींचतान लोकसभा चुनाव परिणाम आने के कुछ ही दिनों बाद शुरू हो गई थी। 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित हुए और 18 मई को बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भेजकर अलग गुट की मांग कर दी। इस पत्र में यूसुफ पठान, सायोनी घोष, काकोली घोष और शताब्दी रॉय जैसे प्रमुख नाम शामिल बताए जा रहे हैं। कुल 19 सांसदों के हस्ताक्षर होने की बात सामने आई, हालांकि एक नाम को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

चार दिन में चार राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा

लगातार बढ़ रहा राजनीतिक संकट

8 जून से 11 जून के बीच चार राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे की खबरें सामने आई हैं। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने पार्टी छोड़ने की घोषणा की। 10 जून को सुष्मिता देव ने अलग रुख अपनाया। इसके बाद 11 जून को प्रकाश चिक बड़ाईक और कोयल मलिक ने भी इस्तीफा दे दिया।

टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि सदन में टीएमसी को केवल एक पार्टी के रूप में देखा जाए। किसी दूसरे गुट को मान्यता न दी जाए। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसद हैं। इसके अलावा 13 राज्यसभा सांसदों में से 4 ने इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी है।

कॉकरोच जनता पार्टी का बेंगलुरु में बारिश के बीच हुआ प्रदर्शन

एक्टर प्रकाश राज शामिल हुए, हैदराबाद में वांगचुक की स्पीच, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने रविवार को बेंगलुरु में प्रदर्शन किया। इस दौरान अभिनेता प्रकाश राज भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उनके हाथ में एक फूल था। बारिश के बीच बड़ी संख्या में लोग पोस्टर और छाते लेकर पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने NEET पेपर लीक और CBSE की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। इससे पहले हैदराबाद के धरना चौक पर भी प्रदर्शन हुआ था, जहां सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने लोगों को संबोधित किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

"वांगचुक बोले- यह आंदोलन सिर्फ परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। इसका मकसद व्यवस्था की बुनियाद को मजबूत करना भी है, जिसके लिए आगे एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। लेकिन फिलहाल सबसे बड़ी समस्या परीक्षाओं की है कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके अमेरिका में पढ़ाई कर रहे हैं। वे 6 जून को ही भारत लौटे थे।

कॉकरोच जनता पार्टी की टाइमलाइन

- **15 मई:** CJI ने कहा- कुछ युवा कॉकरोच की तरह भटक रहे।
- **16 मई:** अमेरिका से अभिजीत दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत की। एक्स-इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनाया।
- **19 मई:** 4 दिन में पार्टी के इंस्टाग्राम पर 10 लाख फॉलोअर्स हुए।
- **20 मई:** इंस्टाग्राम पर CJP के 66 लाख+ फॉलोअर्स पूरे।
- **21 मई:** X अकाउंट बंद हुआ तो नया बनाया। इंस्टाग्राम पर भाजपा और कांग्रेस से ज्यादा फॉलोअर्स।
- **22 मई:** वेबसाइट पर ऑनलाइन पिटीशन लगाई, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। 8 लाख से ज्यादा साइन हुए।
- **22 मई:** CJP फाउंडर दीपके का दावा- वॉट्सएप पर जान से मारने की धमकी मिली। स्क्रीन शॉट शेयर किया।
- **23 मई:** दीपके ने कहा कि पार्टी से जुड़े और सभी पर्सनल अकाउंट हैक किए गए।
- **24 मई:** पार्टी की वेबसाइट ब्लॉक करने की बात कही गई।
- **25 मई:** CJP से जुड़े लोगों की CBI जांच की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने इनकार किया।
- **2 जून:** फाउंडर अभिजीत दिपके ने 6 जून को भारत लौटने का ऐलान किया।
- **5 जून:** अमेरिका से रवाना होने से पहले लिखा- मैं भारत रवाना हो रहा हूं, अपना भाग्य संविधान के हाथों में छोड़कर।
- **6 जून:** CJP ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे तक प्रदर्शन किया।

22 जून से 10 जुलाई तक एसआईएचएफडब्ल्यू, लखनऊ में आयोजित होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

निपुण भारत मिशन को नई धार देगी योगी सरकार

प्रत्येक जनपद से 4 संदर्भदाता होंगे शामिल, आगे हजारों शिक्षकों के प्रशिक्षण का बनेंगे आधार

आयोजन

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार निपुण भारत मिशन को विद्यालय स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। एफएलएन (फाउंडेशन लिटरेसी एंड नुमैरेसी) तथा एनसीईआरटी आधारित पाठ्यपुस्तकों पर आधारित शिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रदेश के 58 जनपदों से 232 शैक्षणिक संदर्भदाताओं को राज्य स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन चरणों में 22 जून से 10 जुलाई तक राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (SIHFW), लखनऊ में आयोजित होने वाले इस प्रशिक्षण के माध्यम से एआरपी और डायट मेंटरों की ऐसी प्रशिक्षित टीम तैयार की जाएगी, जो आगे चलकर ब्लॉक स्तर पर हजारों शिक्षकों को प्रशिक्षित कर निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को कक्षा-कक्ष तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएगी। योगी सरकार की यह पहल बुनियादी शिक्षा में गुणवत्ता, सीखने के परिणामों और निपुण लक्ष्यों की प्राप्ति को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एसआईएचएफडब्ल्यू, सेक्टर-18, इंदिरा नगर, लखनऊ में तीन चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण 22 जून से 26 जून, द्वितीय चरण 29 जून से 3 जुलाई तथा तृतीय चरण 6 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक आयोजित होगा। इन तीनों चरणों में कुल 58 जनपदों से 232 प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रत्येक जनपद से चार संदर्भदाता नामित किए जाएंगे, जिनमें दो एआरपी और दो डायट मेंटर शामिल होंगे।

प्रशिक्षण के लिए चयनित चार संदर्भदाताओं में कम से कम एक-एक प्रतिभागी हिंदी, गणित और अंग्रेजी विषय से संबंधित होना अनिवार्य किया गया है। जिन जनपदों में एआरपी की संख्या दो से कम होगी, वहां अतिरिक्त डायट मेंटरों को नामित किया जाएगा। विषय की गहरी समझ और प्रशिक्षण संचालन की क्षमता रखने वाले एआरपी एवं डायट मेंटरों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। राज्य स्तर पर प्रशिक्षित किए जाने वाले ये संदर्भदाता आगे ब्लॉक संसाधन केंद्रों पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाएंगे।

> प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार का फोकस केवल विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि कक्षा-कक्ष में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने पर भी है। इसी उद्देश्य से शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत एफएलएन और एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्राथमिक विद्यालयों के सभी शिक्षकों एवं शिक्षा मित्रों के लिए प्रस्तावित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी बनाने हेतु जिला स्तरीय संदर्भदाताओं का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।

- **58 जनपदों के 232 संदर्भदाताओं को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण**
- **एफएलएन और एनसीईआरटी आधारित शिक्षण को मजबूत करने के लिए तीन चरणों में होगा राज्य स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण**
- **निपुण लक्ष्यों को कक्षा-कक्ष तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने और सीखने के परिणामों में सुधार पर रहेगा फोकस**

ट्रेन की पटरी पर रखा 50 किलो लोहा पंजाब मेल हादसे से बची

इंजन में फंसा एंगल, लोको पायलट ने लगाया इमरजेंसी ब्रेक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में एक बार फिर ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश का मामला सामने आया है। कैंट क्षेत्र के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास रेलवे ट्रैक पर 50 किलो वजनी लोहे का एंगल रख दिया गया। अमृतसर से हावड़ा जा रही पंजाब मेल जब लखनऊ से गुजरी तो दिलकुशा के पास उसके इंजन के नीचे लोहा फंस गया। लोको पायलट ने समय रहते इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे की है। वरिष्ठ खंड अभियंता (रेलपथ) राजकिशोर मिश्र के मुताबिक, ट्रेन संख्या 13006 पंजाब मेल दिलकुशा ब्लॉक हट के पास पहुंची थी, तभी लोको पायलट की नजर ट्रैक पर रखे भारी लोहे के एंगल पर पड़ी। ट्रेन की रफ्तार कम होने के बावजूद इंजन एंगल से टकरा गया और वह इंजन में फंस गया। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी और आरपीएफ मौके पर पहुंचे तथा एंगल को हटाकर कब्जे में लिया। राजकिशोर मिश्र की लिखित शिकायत पर कैंट थाने में रेलवे अधिनियम की धारा 151 और 153 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस और सर्विलांस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। कैंट थाना प्रभारी गुरप्रीत कौर ने बताया कि घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे शरारती तत्वों या नशेड़ियों की हरकत मान रही है, लेकिन किसी बड़ी साजिश की आशंका को देखते हुए खुफिया एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है।

फास्ट न्यूज

आरटीई से एडमिशन में 35 स्कूल मनमाने काम कर रहे

लखनऊ । लखनऊ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत चयनित बच्चों को प्रवेश देने में कई निजी स्कूल अब भी मनमानी कर रहे हैं। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (CMS), बाल गाइड स्कूल, सेंट मेरी स्कूल और LPS समेत 35 विद्यालयों ने अभी तक चयनित बच्चों को दाखिला नहीं दिया है। इसे लेकर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित स्कूलों के खिलाफ FIR दर्ज कराने की तैयारी शुरू कर दी है।

लखनऊ में युवक का शव रेलवे पटरी पर मिला

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर थानाक्षेत्र में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शनिवार रात घर से काम की बात कह कर निकाला था। इसके बाद हादसे का शिकार हो गया। युवक की मां ने हत्या की आशंका जताते हुए गोमती नगर थाने में तहरीर दी है। बड़ी जुगौली गोमती नगर निवासी बनसल बाबू पुत्र रमेश कुमार लकड़ी पॉलिश का काम करता था। मां मुन्नी देवी ने बताया शनिवार रात करीब 10 घर से निकला था। इसके बाद कुछ अज्ञात लोगों ने उसकी हत्या कर ट्रैक पर फेंक दिया। मां ने वीरेंद्र यादव, गोपी यादव और विनय यादव पर हत्या करने की आशंका जताई है।

वैष्णो देवी दर्शन करने गए परिवारों के घरों में चोरी

लखनऊ । लखनऊ के बीबीडी थानाक्षेत्र स्थित मयूर विहार कॉलोनी में चोरों ने बंद पड़े दो मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवर और नकदी पार कर दी। घटना उस समय हुई जब दोनों परिवार वैष्णो देवी दर्शन के लिए जम्मू-कश्मीर गए हुए थे। नौकरानी ने कॉल कर घटना की जानकारी दी। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

राममंदिर प्रकरण में निष्पक्ष जांच रिपोर्ट देगी एसआईटी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में NSUI कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच रविवार को जोरदार झड़प हो गई। इस दौरान एक कार्यकर्ता बेहोश हो गया। उसे 4-5 साथी हॉस्पिटल ले गए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने सिर पर लाठी मारी, जिससे उनका साथी बेहोश होकर गिर पड़ा।

NSUI कार्यकर्ता पेपर लीक मुद्दे पर जनभवन का घेराव करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें 4 लेयर बैरिकेडिंग कर कांग्रेस कार्यालय के बाहर ही रोक दिया। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर प्रदर्शन किया। पुलिस ने झड़प के बाद ज्यादातर कार्यकर्ताओं को बस से इको गार्डन भेज दिया।

आज प्रदर्शन से पहले ही यूपी में NSUI के कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। हमारे होटल के बाहर बड़ी तादाद में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई। सीधे तौर पर भाजपा सरकार के अंदर डर दिखाई दे रहा है। समझ आ रहा है कि सरकार पेपर माफियाओं को संरक्षण दे रही है। बेहोश हुए NSUI कार्यकर्ता को उसके साथियों ने सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है। हैरी नाम का यह कार्यकर्ता दिल्ली से आया है। प्रदर्शन में शामिल लखनऊ यूनिवर्सिटी के NSUI अध्यक्ष राणा सुधांशु शर्मा ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए।

- **डीजीपी बोले- यूपी से माफियाओं का सफाया हुआ, हवालात में मिलेंगे भौकाली रीलबाज**

एप्स्टीन फाइल और अडानी को बचाने के लिए मोदी ने देश का स्वाभिमान ट्रम्प के हाथों गिरवी रखा : संजय सिंह

प्रधानमंत्री शर्म प्रूफ हो चुके हैं उन्हें किसी बात पर शर्म नहीं आती

> संजय सिंह ने कहा कि यदि चीन के जहाज, रूस के जहाज और पाकिस्तान के जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से आ-जा सकते हैं तो भारत के जहाजों को रोकने और उन पर हमला करने का अधिकार अमेरिका को किसने दिया? उन्होंने कहा कि यह स्थिति देश के लिए बेहद अपमानजनक है और मोदी सरकार की कमजोरी का परिणाम है।

तमसा संकेत, संवाददाता

तीन भारतीयों की मौत और तीन जहाजों पर हमले के बाद भी मोदी की खामोशी कायरता का प्रमाण : संजय सिंह

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि एप्स्टीन फाइल के दबाव और अपने मित्र अडानी को बचाने की कोशिश में उन्होंने देश के स्वाभिमान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हाथों गिरवी रख दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा तीन भारतीय जहाजों पर हमले और तीन भारतीय नागरिकों की हत्या के बावजूद प्रधानमंत्री की चुप्पी उनकी कमजोरी, कायरता और डरपोकपन को उजागर करती है। संजय सिंह ने कहा कि आदित्य शर्मा, शिवानंद, आसिया और मुख्य अभियंता सुरेश जैसे भारतीय नागरिकों की मौत पर प्रधानमंत्री ने न शोक संवेदना व्यक्त की और न ही अमेरिका के खिलाफ एक शब्द बोला, जबकि अमेरिका स्वयं हमले की जिम्मेदारी स्वीकार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि आदित्य शर्मा एक युवा अधिकारी थे, जबकि शिवानंद और आसिया फिटर के रूप में काम कर रहे थे और साधारण तथा गरीब परिवारों से आते थे। मुख्य अभियंता सुरेश आंध्र प्रदेश से थे और अपने परिवार का सहारा थे।

प्रधानमंत्री पूरी तरह दबाव में दिखाई दे रहे

संजय सिंह ने सवाल किया कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका और ट्रम्प से इतना डरते क्यों हैं? उन्होंने कहा कि एप्स्टीन फाइल में ऐसा क्या है कि प्रधानमंत्री पूरी तरह दबाव में दिखाई दे रहे हैं? उन्होंने कहा कि उनका मित्र अडानी रिश्वतखोरी के मामले में अमेरिका में फंसा हुआ है और क्या उसी कारण देश के सम्मान और स्वाभिमान से समझौता किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि देश जानना चाहता है कि क्या अडानी को बचाने के लिए भारत का सम्मान दांव पर लगाया जाएगा?

देश में लोग साउंड प्रूफ और वाटर प्रूफ जैसी चीजों के बारे में सुनते हैं

संजय सिंह ने कहा कि देश में लोग साउंड प्रूफ और वाटर प्रूफ जैसी चीजों के बारे में सुनते हैं। वाटर प्रूफ घड़ी, वाटर प्रूफ जूते, चप्पल और साउंड प्रूफ कमरे होते हैं, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री अब शर्म प्रूफ हो चुके हैं। उन्हें किसी भी विषय पर शर्म नहीं आती। उन्होंने कहा कि किसी भी स्वाभिमानी देश का प्रधानमंत्री अपने नागरिकों की मौत पर कम से कम संवेदना तो व्यक्त करता है, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने ऐसा भी नहीं किया। उन्होंने कहा कि एप्स्टीन फाइल का ऐसा दबाव प्रधानमंत्री पर है और अपने मित्र अडानी को बचाने की ऐसी चिंता है कि तीन भारतीयों की मौत के बाद भी वह अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमारे तीन भारतीयों की जान ले ली, हमारे तीन जहाजों पर हमला किया, लेकिन प्रधानमंत्री मौन बने हुए हैं। यहां तक कि विदेश मंत्रालय के बयान में भी अमेरिका का नाम तक नहीं लिया गया और न ही कोई विरोध दर्ज कराया गया। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली स्थिति है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की महिला किसानों को मिलेगा कौशल

महिला किसान सशक्तिकरण को मिली नई गति : केशव प्रसाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्रामीण क्षेत्रों की महिला किसानों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (एमकेएसपी) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4 करोड़ 95 लाख 83 हजार रुपये से अधिक की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के अंतर्गत संचालित महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए उन्हें सशक्त किसान और उद्यमी के रूप में विकसित करना है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में स्वीकृत इस धनराशि से विशेष रूप से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग की महिला किसानों को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाएगा। परियोजना के माध्यम से महिला किसानों को कौशल विकास, वित्तीय सहायता, आधुनिक कृषि तकनीक, आजीविका संवर्धन तथा बाजार से जोड़ने जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का उद्देश्य महिलाओं को कृषि क्षेत्र में केवल श्रमिक के रूप में नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली सशक्त किसान और सफल उद्यमी के रूप में स्थापित करना है।

केशव प्रसाद मौर्य ने स्वीकृत किए 4.95 करोड़ रुपये"

तकनीकी सहायता और आर्थिक सशक्तिकरण का लाभ

4 करोड़ 95 लाख 83 हजार रुपये की स्वीकृति

वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु अनुदान संख्या-83 (अनुसूचित जाति मद) के मानक मद-27 सब्सिडी के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा जारी केन्द्रांश की धनराशि 2 करोड़ 97 लाख 50 हजार रुपये तथा उसके सापेक्ष राज्यांश की धनराशि 1 करोड़ 98 लाख 33 हजार रुपये सहित कुल 4 करोड़ 95 लाख 83 हजार रुपये की स्वीकृति उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा प्रदान की गई है।

> उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश सरकार ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिला किसान जब सशक्त होंगी तो परिवार, गांव और प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी और मजबूत होगी।

केजीएमयू में टंकी की सफाई के दौरान युवक की हुई मौत

लखनऊ में कर्मचारियों ने किया हंगामा, बोले- बिना सुरक्षा किट के उतारा

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में केजीएमयू परिसर में पानी की टंकी की सफाई के दौरान एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान राहुल के रूप में हुई है। आरोप है कि सफाई के दौरान उसे करंट लग गया, जिससे उसकी जान चली गई।

घटना के बाद ट्रॉमा सेंटर में साथी कर्मचारियों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंच गए और लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की।

कर्मचारियों का आरोप है कि राहुल को बिना सुरक्षा किट और पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के टंकी में सफाई के लिए उतारा गया था। उनका कहना है कि यदि सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता तो हादसा टाला जा सकता था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने कर्मचारियों और परिजनों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, केजीएमयू प्रशासन की ओर से घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। मृतक के भाई रमेश ने आरोप लगाया कि कंपनी ने बिना सेफ्टी किट के राहुल को पानी की टंकी में उतार कर सफाई करवाई गई। टंकी की सफाई के दौरान राहुल को करंट लग गया। उसकी मौत हो गई। कंपनी ने कर्मचारियों का इंश्योरेन्स तक नहीं करवाया है। पीएफ अकाउंट तक नहीं खोला गया है। कंपनी सात हजार रुपए वेतन देती है। इतने में घर तक नहीं चलता है।

वाराणसी में विभागीय समीक्षा बैठक में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने दिए निर्देश

कौशल विकास एवं प्रशिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता सुधार पर विशेष जोर दिया जाय

- **मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने आईटीआई में शून्य ड्रॉपआउट और 100 प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करने के दिए निर्देश**
- **पीपीपी मॉडल के आईटीआई में सत्र 2026-27 से नियमित प्रशिक्षण शुरू करने के निर्देश**

तमसा संकेत, संवाददाता

वाराणसी / लखनऊ । प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में सर्किट हाउस, वाराणसी में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वाराणसी मंडल के संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण/शिक्षुता), राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य तथा उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के एमआईएस मैनेजर एवं डीपीएमयू अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण/शिक्षुता) वाराणसी मंडल द्वारा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कौशल विकास योजनाओं तथा संस्थानों की प्रगति के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। समीक्षा के दौरान मंत्री ने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, संस्थानों के संचालन तथा प्रशिक्षार्थियों की संख्या बढ़ाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मंत्री अग्रवाल ने राजकीय आईटीआई में प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणरत विद्यार्थियों के ड्रॉपआउट प्रतिशत पर सभी प्रधानाचार्यों को विशेष अभियान चलाकर प्रशिक्षार्थियों की काउंसलिंग कराने तथा उनके अभिभावकों से नियमित संपर्क स्थापित करने के निर्देश दिए। पीपीपी मॉडल के अंतर्गत संचालित राजकीय आईटीआई पिंडरा, वाराणसी एवं आईटीआई बदलापुर, जौनपुर की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अपेक्षित प्रगति न होने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संस्थानों में आवश्यक संसाधनों, मशीनों एवं कार्मिकों की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए प्रशिक्षण सत्र 2026-27 से नियमित प्रशिक्षण प्रारंभ कराया जाए तथा भारत सरकार से आवश्यक स्थायी संबंधन एवं एनसीवीटी मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

प्रदर्शनी : महिला सशक्तिकरण से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : केशव प्रसाद मौर्य

मोदी सरकार के 12 वर्ष : विकास और जनकल्याण के स्वर्णिम वर्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

12 वर्षों में भारत ने विकास के नए आयाम स्थापित किए : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को मुरादाबाद में आयोजित जनकल्याण शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने विकास खण्ड मुरादाबाद के अंतर्गत सभागार के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाबी प्रदान की। उन्होंने नन्हें बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया। मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से तीन करोड़ दीदियों को जोड़ने तथा एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। बीते 12 वर्षों में सड़क, रेल, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में देश ने तेजी से प्रगति की है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीबों को पक्के घर, उज्ज्वला योजना से महिलाओं को स्वच्छ ईंधन, हर घर जल योजना से ग्रामीण परिवारों को पेयजल तथा आयुष्मान भारत योजना से करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है।

12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के समर्पित वर्ष रहे हैं। इन वर्षों में देश ने विकास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प के साथ देश निरंतर आगे बढ़ रहा है।

200 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर सकते हैं, डिप्टी सीएम बोले- दाल नहीं गलेगी

ओवैसी लखनऊ पहुंचे, नारे लगे- देखो-देखो शेर आया

हुंकार

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच। AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी करीब डेढ़ साल बाद लखनऊ पहुंचे। वह बहराइच में एक रैली करेंगे।

रविवार सुबह ओवैसी एयरपोर्ट पहुंचे तो समर्थकों ने नारे लगाए- देखो-देखो कौन आया, शेर आया... शेर आया। 2027 यानी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए औवेसी का यह दौरा अहम माना जा रहा है।

वह यूपी में 200 सीट पर लड़ने का ऐलान कर सकते हैं। इसका

इशारा शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने बहराइच पहुंचकर किया था। उन्होंने कहा था- पार्टी 200 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, हालांकि इस पर अंतिम फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष यानी औवेसी करेंगे।

ओवैसी का पहला कार्यक्रम सपा के गढ़ बहराइच की मटेरा विधानसभा में है। वह शंकरपुर चौराहे पर जनसभा को संबोधित करेंगे।

रैली पर डिप्टी सीएम का तंज- इनकी दाल गलने वाली नहीं

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने ओवैसी के यूपी के दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा- ये ध्रुवीकरण की राजनीति करने वाले लोग हैं। धर्म और जाति के आधार पर राजनीति करते हैं। इनकी दाल गलने वाली नहीं है। भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के तहत काम करती है। जन-जन का आशीर्वाद प्रधानमंत्री मोदी के साथ है।

ओवैसी ने बहराइच का मटेरा ही क्यों चुना

इसके दो कारण हैं। पहला- मटेरा विधानसभा मुस्लिम बहुल है। इस सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की आबादी लगभग 45% है। यहां 3.4 लाख कुल वोटर्स हैं। इसमें 1.5 से 1.55 लाख मुस्लिम वोटर्स हैं। सपा का लगातार तीन चुनाव से इस सीट पर कब्जा है। वर्तमान में सपा की मरिया शाह यहां से विधायक हैं। इससे पहले उनके पति यासर शाह भी दो बार इसी सीट से विधायक रह चुके हैं। दूसरा- बहराइच में 11वीं शताब्दी (1033–1034 ईस्वी के आसपास) में महाराजा सुहेलदेव (श्रावस्ती के राजा) और महमूद गजनवी के भांजे सैयद सालार मसूद गाजी (गाजी मियां) के बीच एक ऐतिहासिक युद्ध हुआ था। इसमें महाराजा सुहेलदेव ने सालार मसूद को मार गिराया था।

कौन हैं असदुद्दीन ओवैसी और क्या है उनकी पार्टी का इतिहास?

असदुद्दीन ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा सांसद और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के अध्यक्ष हैं। ओवैसी का संगठन करीब 92 साल पुराना है। इसकी स्थापना 12 नवंबर 1927 को नवाब महमूद खान ने की थी। पहले इसका नाम मजलिस-ए-इत्ते-हादुल मुस्लिमीन (MIM) था। तब ये एक धार्मिक और सामाजिक संस्था थी। आजादी से पहले ये संगठन हैदराबाद को एक अलग मुस्लिम राज्य के रूप में स्थापित करने के पक्ष में था। जब हैदराबाद का भारत में विलय हुआ तो इस संगठन पर बैन लग गया। 1957 में इस संगठन पर से बैन हटा और ये AIMIM के रूप में एक राजनीतिक संगठन के रूप में अस्तित्व में आया।

सीतापुर में लाखों की लूट की कहानी निकली फर्जी

युवक ने खुद को इंजेक्शन लगाकर पुलिस को दी थी झूठी सूचना, भाई ने किया खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र के चंदूपुर मोहल्ले में शुक्रवार को इंजेक्शन लगाकर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लूटे जाने की सनसनीखेज घटना पूरी तरह फर्जी निकली। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया था कि तीन अज्ञात लोगों पर उसे इंजेक्शन लगाकर घायल कर दिया और लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाने शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस को मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तथा डिजिटल साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया। इसी बीच राहुल के बड़े भाई वीरेंद्र पाल जो गुजरात में कार्यरत हैं। ने कोतवाली में लिखित तहरीर देकर बताया कि घर से कोई जेवरात चोरी नहीं हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि घर में मौजूद एक जोड़ी कंगन को राहुल पहले ही नशे और जुए की लत के चलते गिरवी रख चुका है।

पुलिस द्वारा की गई पूछताछ और एकत्र साक्ष्यों के आधार पर नरेंद्र पाल उर्फ राहुल ने स्वीकार किया कि उसने स्वयं को कई बार इंजेक्शन लगाए थे।

अधिक मात्रा में इंजेक्शन लेने से हाथ-पैर में सूजन आ गई थी।

फास्ट न्यूज

कांग्रेस नेता अमलेन्द्र त्रिपाठी हाउस अरेस्ट

हरदोई। हरदोई पुलिस ने कांग्रेस नेता अमलेन्द्र त्रिपाठी को शनिवार देर रात उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया।

यह कार्रवाई नीट और उत्तर प्रदेश की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों एवं पेपर लीक के विरोध में प्रस्तावित राजभवन घेराव कार्यक्रम से पहले की गई। अमलेन्द्र त्रिपाठी उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और एनएसयूआई के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक हैं।

खेती बचाओ अभियान के तहत किसान जागरूकता बैठक

सीतापुर। सीतापुर के पहला विकास खंड में खेती बचाओ अभियान के तहत किसान जागरूकता बैठक आयोजित की गई। ग्राम दिकोली स्थित पंचायत भवन परिसर में हुई इस बैठक में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और खेती को अधिक लाभकारी व टिकाऊ बनाने के उपायों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्य वक्ता कृषि वैज्ञानिक डॉ. सचिन सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए मिट्टी के संरक्षण को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने संतुलित उर्वरकों के प्रयोग, जैविक संसाधनों के उपयोग और प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया।

फतेहपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर

फतेहपुर। बाराबंकी के फतेहपुर क्षेत्र में रविवार दोपहर एक आरओ सर्विस कर्मी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल युवक को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। नालापार उत्तरी निवासी मोहम्मद शादाब (पुत्र मोहम्मद कमाल) रविवार दोपहर ग्राम अहिरन पुरवा में आरओ सर्विस का काम खत्म कर अपनी दुकान लौट रहे थे।

पुलिस विभाग की जमीन पर कब्जे की कोशिश

भूमाफियाओं ने लगाए नौ अवैध पिलर, पुलिस ने हटवाया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में पुलिस विभाग के लिए आरक्षित भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। भूमाफियाओं ने मरहला चौराहा स्थित जमीन पर नौ पिलर लगाकर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी पिलरों को हटवा दिया।

जानकारी के अनुसार, मरहला चौराहा स्थित गाटा संख्या 65 की करीब नौ बिस्वा भूमि पुलिस विभाग को बैरक और हॉस्टल निर्माण के लिए आवंटित की गई है।

इस भूमि पर पुलिस विभाग की ओर से सूचना बोर्ड भी लगाया गया

है, जिसमें जमीन के आरक्षित होने की जानकारी दर्ज है।

लेखपाल आशू श्रीवास्तव ने बताया कि संबंधित भूमि पुलिस बैरक और हॉस्टल निर्माण के लिए उपलब्ध कराई गई है।

यदि किसी व्यक्ति द्वारा उस पर कब्जे का प्रयास किया गया है तो यह पूरी तरह अवैध है।

कब्जे की सूचना पर हरकत में आई पुलिस

पुलिस विभाग की भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जे की सूचना मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और अवैध रूप से लगाए गए सभी नौ पिलरों को हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उनका आरोप है कि अब भूमाफिया सरकारी विभागों की भूमि को भी निशाना बनाने लगे हैं। लोगों ने प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की है।

साक्षी महाराज ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

उन्नाव। उन्नाव में सांसद डॉ. स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज ने रविवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर उसकी उपलब्धियों का उल्लेख किया। साथ ही, बांगरमऊ क्षेत्र में हुई संत की हत्या के मामले में उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने 12 वर्ष के कार्यकाल को ₹सेवा, सुशासन और जन कल्याण₹ को समर्पित किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के नए आयाम स्थापित होने की बात कही और ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास₹ के मंत्र के साथ सरकार द्वारा जनता का विश्वास जीतने का जिक्र किया। उन्होंने मोदी सरकार के कार्यकाल में देशभर में हुए विकास कार्यों पर प्रकाश डाला।

बुजुर्ग ने फांसी लगाकर दी जान

नीम के पेड़ से लटका मिला शव, खेत में काम करने के लिए गए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के दही थाना क्षेत्र के ग्राम खत्रीखेड़ा में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 60 वर्षीय अधेड़ का शव खेत में नीम के पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन छानबीन कर रही है।

मृतक की पहचान अजगैन थाना क्षेत्र के चिलौला गांव निवासी रामसुमेर यादव (60) पुत्र स्वर्गीय रामाधार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रामसुमेर यादव की खेती की जमीन दही थाना क्षेत्र के खत्रीखेड़ा गांव में स्थित है। रविवार सुबह वह अपने खेत पर पहुंचे थे, जहां उन्होंने खेत में खड़े नीम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या

कर ली। ग्रामीणों के मुताबिक, जब आसपास के कुछ लोग खेतों की ओर गए तो उन्होंने नीम के पेड़ से एक व्यक्ति का शव लटका हुआ देखा। यह दृश्य देखते ही लोगों के होश उड़ गए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना मृतक के परिजनों और पुलिस को दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और पूरे गांव में शोक का माहौल छा गया। ग्रामीणों ने बताया कि रामसुमेर यादव शांत स्वभाव के व्यक्ति थे, ऐसे में उनकी आत्महत्या की खबर से सभी स्तब्ध हैं। सूचना पाकर दही थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को नीचे उतर-वाकर पंचनामा भरने की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी। साथ ही आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। दही थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, अभी आत्महत्या के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से जुड़े हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है। परिजनों और ग्रामीणों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

तेज रफ्तार बाइक ने महिला को कुचला

सीएचसी में इलाज के दौरान मौत, परिजनों में कोहराम

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के टड़ियावां सीएचसी के पास एक बाइक सवार ने सड़क पार कर रही एक वृद्ध महिला को टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान हरियावां थाना क्षेत्र के भदेउरा गांव निवासी 60 वर्षीय सावित्री देवी के रूप में हुई है। टक्कर के बाद आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत टड़ियावां सीएचसी पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। सावित्री देवी के नाती ललित ने बताया कि उनकी नानी पिछले कई दिनों से बीमार थीं। शनिवार दोपहर वह अपनी दवा लेने के लिए अकेले टड़ियावां सीएचसी

आई थीं। दवा लेने के बाद वह अपने गांव भदेउरा लौट रही थीं, तभी यह हादसा हुआ सावित्री देवी के पति सुखलाल का एक साल पहले बीमारी से निधन हो गया था।

उनके परिवार में तीन विवाहित पुत्रियां हैं, जिनके नाम सुशीला, बबली और मिन्नो हैं। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि शव का पंचनामा भरवा लिया गया है। परिजनों के शिकायती पत्र और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी।

सोशल मीडिया पर विज्ञापन पर क्लिक करते ही सक्रिय हुए साइबर ठग, दो अलग-अलग बैंक खातों से निकाली रकम

हरदोई के युवक के खातों से 3 मिनट में उड़ाए 1.91 लाख रुपये

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। सोशल मीडिया पर आने वाले विज्ञापनों पर बिना सोचे-समझे क्लिक करना कितना महंगा पड़ सकता है, इसका ताजा उदाहरण हरदोई में सामने आया है। यहां इंस्टाग्राम पर दिखाई दिए एक विज्ञापन पर क्लिक करते ही साइबर ठगों ने एक युवक के दो अलग-अलग बैंक खातों से महज तीन मिनट के भीतर कुल 1 लाख 91 हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली देहात थाने में की है, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद पीड़ित विकास गुप्ता ने कोतवाली देहात पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपा और मामले की जांच कर कार्रवाई करने के साथ-साथ उनकी रकम वापस दिलाने की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर शनिवार देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया है और साइबर ठगी के इस मामले की जांच शुरू कर दी है। देहात कोतवाल हरिनाथ यादव ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। साइबर सेल की मदद से यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रकम किन खातों में ट्रांसफर हुई और ठगी को अंजाम देने वाले लोग कहां से संचालित हो रहे थे।

“ जानकारी के अनुसार, कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम महोलिया शिवपार निवासी विकास गुप्ता 10 जून को दोपहर के समय अपने मोबाइल फोन पर इंस्टाग्राम चला रहे थे। इसी दौरान उनकी स्क्रीन पर एक विज्ञापन दिखाई दिया। विकास का कहना है कि अनजाने में उनका हाथ उस विज्ञापन पर क्लिक हो गया, जिसके बाद कुछ ही मिनटों में उनके साथ साइबर ठगी की वारदात हो गई।

दूसरे बैंक खाते से भी उड़ा लिए 98 हजार रुपये

साइबर अपराधियों ने यहीं नहीं रुके। उन्होंने विकास के दूसरे बैंक खाते, जो केनरा बैंक की हरदोई शाखा में है, को भी निशाना बनाया। दोपहर 2 बजकर 26 मिनट पर इस खाते से 98 हजार रुपये निकाल लिए गए। इस तरह महज तीन मिनट के भीतर अज्ञात ठगों ने दोनों खातों से कुल 1 लाख 91 हजार रुपये की बड़ी रकम पार कर दी।

बैंक से आने लगे रुपये कटने के मैसेज

विकास ने बताया कि विज्ञापन पर क्लिक करने के तुरंत बाद उनके मोबाइल फोन पर बैंक से पैसे कटने के संदेश आने लगे। पहले साइबर ठगों ने उनके सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते को निशाना बनाया। दोपहर करीब 2 बजकर 23 मिनट पर खाते से 63 हजार रुपये निकाले गए। इसके ठीक दो मिनट बाद 2 बजकर 25 मिनट पर उसी खाते से दोबारा 30 हजार रुपये की निकासी कर ली गई।

बयान : योजना लाभार्थी मुस्लिमों को भाजपा का साथ देना चाहिए

वसीम राईन ने संजय गंगवार के बयान का समर्थन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश सरकार में गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार के बयान को लेकर जारी राजनीतिक चर्चाओं के बीच ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसीम राईन ने उनका खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मंत्री ने भले ही कड़वी बात कही हो, लेकिन उसमें सच्चाई है और इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के बावजूद मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा वर्ग भाजपा को वोट नहीं देता। राईन का आरोप है कि कुछ

राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को भाजपा के खिलाफ एकजुट करने का प्रयास करते हैं, लेकिन अब पसमांदा समाज तेजी से जागरूक हो रहा है और अपने हितों के आधार पर निर्णय लेने लगा है। केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की सराहना राईन ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि पसमांदा समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

“ वसीम राईन ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों ने बिना किसी भेदभाव के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी वर्गों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आवास योजना, आयुष्मान भारत और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का फायदा मुस्लिम समुदाय सहित समाज के हर वर्ग को मिला है।

सपा सरकार पर लगाया जातीय आधार पर भेदभाव का आरोप

राईन ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान सरकारी योजनाओं के वितरण में जातीय आधार पर भेदभाव किया जाता था। उनका कहना था कि उस समय एक विशेष समुदाय को अधिक प्राथमिकता मिलती थी, जबकि वर्तमान सरकार ने योजनाओं के लाभार्थियों के चयन में पारदर्शिता और समानता को महत्व दिया है।

पसमांदा समाज को मिलना चाहिए सम्मान और हिस्सेदारी

ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि उनका संगठन लगातार पसमांदा मुसलमानों को उनके सामाजिक और राजनीतिक अधिकारों के प्रति जागरूक कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस सरकार या राजनीतिक दल से सम्मान, हिस्सेदारी और योजनाओं का लाभ मिले, उसका समर्थन किया जाना चाहिए।

2027 विधानसभा चुनाव में दिखेगा असर

वसीम राईन ने दावा किया कि प्रदेश में पसमांदा मुसलमानों की आबादी काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन उन्हें अभी तक अपेक्षित राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में पसमांदा समाज की भूमिका अहम होगी और भाजपा को मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग का उल्लेखनीय समर्थन प्राप्त हो सकता है।

आंधी-बारिश से रायबरेली में भारी नुकसान, कई प्रतिष्ठान प्रभावित

मुर्गी फार्म का टेंट उड़ा, टीन शेड क्षतिग्रस्त, लाखों का नुकसान

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के जगतपुर क्षेत्र में आई तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण कई स्थानों पर मकानों और प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचा है। पूरे तेजी गांव में विशेष रूप से मुर्गी फार्म और घरों के टीन शेड क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूरे तेजी गांव निवासी सुरेश यादव के मुर्गी फार्म पर लगा टेंट तेज हवा के झोंकों से पूरी तरह उड़ गया। इससे फार्म में रखा घरेलू सामान और अन्य सामग्री भी क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित सुरेश यादव के अनुसार, इस घटना में उन्हें लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। इसी तरह, सुनील पाल के घर पर लगा टीन शेड भी तेज आंधी की चपेट में आकर उड़ गया। टीन शेड

के उड़ने से घर में रखा सामान भी प्रभावित हुआ है, जिससे काफी नुकसान होने की बात सामने आई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में अचानक मौसम खराब होने के बाद तेज हवाएं चलने लगीं। इन हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए और बिजली के तार भी प्रभावित हुए, जिससे विद्युत आपूर्ति बाधित हुई। प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से नुकसान का तत्काल आकलन कर उचित सहायता प्रदान करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए शासन स्तर से आर्थिक मदद उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि पीड़ितों को राहत मिल सके।

सम्पादकीय

जनसांख्यिकीय बदलाव

गृह मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकीय परिवर्तन की जांच के लिए बनाई गई उच्चस्तरीय समिति के साथ बैठक कर जिस तरह उसे आवश्यक निर्देश दिए, उससे यही पता चलता है कि यह मामला केंद्र सरकार की प्राथमिकता सूची में है। यह होना भी चाहिए, क्योंकि बीते कुछ दशकों में देश के कई सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ के चलते सामाजिक तानाबाना जिस तरह बदला है, वह किसी से छिपा नहीं। वैसे तो सबसे अधिक असामान्य जनसांख्यिकीय परिवर्तन पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में हुआ है, लेकिन यह देश के अन्य राज्यों में भी देखा जा सकता है।

आखिर यह एक तथ्य है कि बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ से प्रभावित राज्यों में झारखंड और बिहार भी हैं। इसी तरह यह भी किसी से छिपा नहीं कि किस तरह रोहिंग्या घुसपैठिए हैदराबाद से लेकर जम्मू तक में जाकर बस गए हैं। रोहिंग्याओं का बंगाल या पूर्वोत्तर से घुसकर जम्मू, हैदराबाद जैसे शहरों में अपना ठिकाना बना लेना किसी सुनियोजित साजिश का हिस्सा ही जान पड़ता है।

यह एक तथ्य है कि बांग्लादेश से बंगाल, मेघालय, त्रिपुरा, असम आदि में घुसपैठ कराने वाले तत्व संगठित रूप से काम कर रहे हैं। इसी कारण घुसपैठिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और उनके सहारे पासपोर्ट तक हासिल कर लेते हैं। बांग्लादेश से बंगाल और मेघालय के रास्ते आने वाले घुसपैठिए देश के हर हिस्से में फैल गए हैं।

असम में तो वे एक बड़ी समस्या बन गए हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण असम की जनसांख्यिकीय में जो बदलाव हुआ और यहां की स्थानीय संस्कृति के लिए जैसा खतरा पैदा हुआ, उसी कारण एनआरसी का सहारा लेना पड़ा। उचित यह होगा कि देशव्यापी स्तर पर एनआरसी हो। यह पता चलना ही चाहिए कि भारत में रहने वाले कितने लोग वैध हैं और कितने अवैध? इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि यदा-कदा किन्हीं-किन्हीं राज्यों में घुसपैठियों की पकड़-धकड़ होती है, क्योंकि जब तक यह काम राष्ट्रव्यापी स्तर पर नहीं होगा, तब तक उन सबकी पहचान करना कठिन है। घुसपैठ केवल बांग्लादेश से ही नहीं होती। यह म्यांमार से भी होती है और मणिपुर के समस्याग्रस्त होने के कारणों में से एक कारण घुसपैठ भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन के अस्वाभाविक कारणों और उसके प्रभाव का अध्ययन करने वाली समिति यह भी बताएगी कि इससे उत्पन्न चुनौतियों का समाधान कैसे किया जाए? चूंकि यह समिति सीमावर्ती इलाकों का दौरा कर पड़ताल करेगी, इसलिए उसकी रिपोर्ट आने में समय लगेगा। उसकी रिपोर्ट आने तक यह तो सुनिश्चित किया ही जाए कि बांग्लादेश, म्यांमार आदि से होने वाली घुसपैठ थमे। नेपाल सीमा पर भी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

आत्मा का कल्याण करना लोकोत्तर दया

हम जब साधना करते हैं तो कुछ मात्रा में आध्यात्मिक उर्जा उत्पन्न होती है, जब यह आध्यात्मिक ऊर्जा सांसारिक लाभ प्राप्ति के लिए उपयोग की जाती है, जैसे कि सकाम साधना से इच्छाओं की पूर्ति होती है, परंतु आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती ।यह एक टूटे हुए पात्र को भरने जैसा है, जहां पात्र कभी भरता नही हैं । वह जब निष्काम साधना करते हैं तो साधना द्वारा प्राप्त आध्यात्मिक ऊर्जा आध्यात्मिक उन्नति के लिए हों । वह जब साधक निष्काम साधना करता है तो इससे न केवल उसकी आध्यात्मिक प्रगति होती है अपितु उसकी सांसारिक और भौतिक अपेक्षा अनुसार आवश्यकताओं की कारण विशेष जैसे बीमारी आदि किसी के हो सभी निमित्त से जरूरत की पूर्ति भी होती है । सकाम साधना से सांसारिक सुख की प्राप्ति होती है जबकि निष्काम साधना से आनंद की अनुभूति होती है । पहले ज्ञान फिर दया अर्थात् आचरण । सम्यक् ज्ञान के अनुरूप किया गया आचरण अच्छा आचरण होता हैं । आत्मा के साथ मन का रिश्ता बहुत ही गहरा है। आत्मा पर अच्छे-बुरे कृतकर्मों का सख्त पहरा है। अतः जो हमको जीवन दर्पण मे हर पल प्रतिबिंबित हो रहा है । वो किसी दूसरे का नहीं हमारा ही अपना चेहरा है। दया शब्द बहुत प्रसिद्ध हैं । आचार्य श्री भिक्षु के साहित्य में भी हमें दया की बहुत बात मिलती हैं । वर्तमान में आचार्य श्री भिक्षु का त्रिशताब्दी वर्ष चल रहा हैं । आचार्य श्री भिक्षु का साहित्य भी हमें सिद्धान्त के संदर्भ में मिलता हैं । अनुकंपा या दया अनेक रूपों में देखी जा सकती हैं । आचार्य श्री भिक्षु ने दया का विश्लेषण करते हुए उसके दो रूप बताए हैं- एक आध्यात्मिक अर्थात् लोकोत्तर दया और दूसरी सांसारिक अर्थात् लौकिक दया । आचार्य श्री भिक्षु ने कहा कि जीव अपने आयुष्य बल से जी रहें हैं, इनका जीना हमारी दया नहीं हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

भारत का यह कड़ा रुख अब पाकिस्तान के लिए काल बनता जा रहा है

खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते

"सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों से पता चलता है कि पंजाब अपने तय हिस्से (44,000 क्यूसेक) के मुकाबले 53,394 क्यूसेक पानी ले रहा है, जो उसके हक से 21 प्रतिशत से ज्यादा है।

खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते..... भारत का यह कड़ा रुख अब पाकिस्तान के लिए काल बनता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत ने जब से ऐतिहासिक 'सिंधु जल समझौते' को ठंडे बस्ते में डाला है, तब से इस्लामाबाद के हुक्मरानों की रातों की नींद उड़ी हुई है। अब हालत यह हो गई है कि पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसने की आशंका से घबराए पाकिस्तान ने भारत को सीधे 'युद्ध' की गीदड़भभकी दे डाली है।भारत के कड़े तेवरों को देखकर पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी बुरी तरह बौखला गए हैं। अंद्राबी ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत के इस कदम से 25 करोड़ से अधिक पाकिस्तानियों की जिंदगी दांव पर लग जाएगी। इंटरनेशनल नियमों की दुहाई देते हुए अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान पानी को एक राजनीतिक हथियार या दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को खारिज करता है। पानी रोकने की किसी भी कोशिश के गंभीर नतीजे होंगे और इसे UN चार्टर के आर्टिकल 51 के तहत 'युद्ध की कार्रवाई' माना जा सकता है।

पानी की कमी का सबसे ज्यादा असर सिंध पर पड़ा है, जहां पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची स्थित है। यहां राजनेता, किसान और जल विशेषज्ञ पानी की घटती सप्लाई और असमान वितरण को लेकर लगातार चिंता जाहिर कर रहे हैं। सिंध और बलूचिस्तान में पानी की भारी कमी के कारण यह संकट पाकिस्तान की लगभग एक-तिहाई आबादी को प्रभावित कर रहा है।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, सिंधु नदी पर बने सबसे बड़े और अहम सिंचाई ढांचों में से एक सुक्कुर बैराज के आसपास यह संकट तेजी से साफ दिखाई दे रहा है। यह बैराज सिंध और बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में लाखों एकड़ खेती की जमीन के लिए पानी का स्रोत है इसलिए यह पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए बहुत जरूरी है। सिंध के नहर नेटवर्क में पानी की कमी चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है।डॉन के सूत्रों के मुताबिक, नॉर्थ वेस्ट नहर में 64।1 प्रतिशत, राइस नहर में 38 प्रतिशत और दादू नहर में 82 प्रतिशत की भारी कमी देखी जा रही है। ऊपरी इलाकों में पानी की अवैध निकासी और असमान वितरण के आरोपों से स्थिति और भी बिगड़ रही है।

इसी तरह, कहा जा रहा है कि टौंसा बैराज अपने मंजूरशुदा हिस्से (24,000 क्यूसेक) के मुकाबले 25,694 क्यूसेक पानी ले रहा है, जो लगभग 9।3 प्रतिशत ज्यादा है।वहीं दूसरी ओर चश्मा बैराज में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे पता चलता है कि ऊपरी इलाकों में पानी जमा हो रहा है, जबकि निचले इलाकों में पानी की भारी कमी हो रही है।

इस बिगड़ते संकट ने पाकिस्तान में तीखी राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख हाफिज नईम-उर-रहमान ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) की अगुवाई वाली सिंध सरकार पर आरोप लगाया है कि वह सालों तक सत्ता में रहने के बावजूद कराची में पानी की पुरानी किल्लत को दूर करने में नाकाम रही है।पीपीपी सिंध के अध्यक्ष निसार अहमद खुहरो ने बार-बार चेतावनी दी है कि पाकिस्तान के सबसे ज्यादा कृषि उत्पादन वाले इलाकों में से एक होने के बावजूद सिंध को पानी का उसका वाजिब हिस्सा नहीं मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि सिंध हर साल लगभग 55 लाख टन चावल का उत्पादन करता है और चावल के निर्यात से लगभग 1।4 अरब डॉलर कमाता है। आर्थिक नतीजों के बारे में चेतावनी देते हुए खुहरो ने सिंध के खरीफ सीजन के पानी के आवंटन में कटौती को प्रांत का आर्थिक नरसंहार बताया।खुहरो का कहना है कि सिंध देश के कुल कृषि उत्पादन का 67 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है, फिर भी उसे पानी का उसका वाजिब हिस्सा नहीं मिल रहा है। नहरें सूखने से किसान परेशान। जमीनी स्तर पर संकट का असर दिखने लगा है। डॉन के अनुसार, सुक्कुर बैराज सिस्टम की राइट बैंक नहरों में पानी की भारी कमी है। ये नहरें लरकाना, कंबर-शहदादकोट, दादू, शिकारपुर और बलूचिस्तान के कुछ हिस्सों में सिंचाई करती हैं। सिंध आबादगार बोर्ड के कंबर-शहदादकोट चैप्टर के पूर्व अध्यक्ष इशाक मुघेरी ने बताया कि नॉर्थ वेस्टर्न कैनाल में 64।1 प्रतिशत, राइस कैनाल में 38 प्रतिशत और दादू कैनाल में 82 प्रतिशत पानी की कमी है।

दादू नहर, जिसके लिए 4,995 क्यूसेक पानी तय किया गया था, उसे अभी सिर्फ 860 क्यूसेक पानी मिल रहा है।नॉर्थ वेस्टर्न नहर को 6,260 क्यूसेक के तय हिस्से के मुकाबले 2,100 क्यूसेक पानी मिल रहा है।जबकि राइस नहर को 8,700 क्यूसेक के मंजूर हिस्से के मुकाबले 5,300 क्यूसेक पानी मिल रहा है।सालों से बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में देरी और सिंचाई नहरों का काम अधूरा रहने से स्थिति और खराब हो गई है, जिससे किसान मौसमी खेती शुरू नहीं कर पा रहे हैं। दूसरी ओर, जल की कमी का असर पाकिस्तान के सबसे महत्वपूर्ण सिंचाई ढांचे सुक्कुर बैराज पर साफ दिखाई दे रहा है। सिंधु नदी पर बना यह विशाल ढांचा लाखों एकड़ खेती को जीवन देता है। लेकिन अब यहां से निकलने वाली नहरों में पानी तेजी से घट रहा है। उत्तर पश्चिम नहर में 64 प्रतिशत से अधिक कमी दर्ज की गई है। राइस नहर लगभग 38 प्रतिशत घाटे में चल रही है, जबकि दादू नहर की हालत सबसे भयावह है, जहां 82 प्रतिशत तक पानी कम हो चुका है। सिंधु नदी प्रणाली पर पाकिस्तान की निर्भरता ने लंबे समय से पानी की सुरक्षा को एक रणनीतिक मुद्दा बना दिया है। जैसे-जैसे पानी की कमी बढ़ रही है और पानी के बंटवारे को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो रहे हैं। यह संकट देश के सिंचाई प्रबंधन और कृषि बुनियादी ढांचे की कमजोरियों को और ज्यादा उजागर कर रहा है।भारत के सिंधु जल समझौते पर कड़ा रुख बनाए रखने और बंटवारे को लेकर अंदरूनी विवादों के बढ़ने के साथ आने वाले महीनों में पाकिस्तान के सामने पानी की चुनौती और भी मुश्किल होती दिख रही है। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैदराबाद में आयोजित एक 'बुद्धिजीवी सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे।

- अशोक भाटिया

प्रतिष्ठान का अतीत...

कुमार कृष्णन

गांधीवादियों से दूर होता गांधी शांति प्रतिष्ठान

बाहर से प्रतिष्ठान का भवन थोड़े बदलाव के साथ नजर आता है।अंदरुनी व्यवस्था, बदलाव देख कर चौंक जाएंगे।अध्यक्ष, मंत्री कार्यालय वाला क्षेत्र देख कर दांतों तले उंगली दबाना पड़ेगा।सभागार का किराया सुनकर पांवों तले की जमीन खिसकती नजर आएगी। सभी कमरों को वातानुकूलित कर दिया गया है। किराया बढ़ाना ही पड़ेगा। आम आदमी को दूर रखने का इंतजाम किया गया है।

वैचारिक स्पष्टता, पारदर्शिता, आत्मबल बाहर। कथनी-करनी का अंतर साफ-साफ दिखाई देता है।

सत्य, अहिंसा, करुणा, सादगी, सत्याग्रह, निडरता, निष्पक्षता, पारदर्शिता धराशाई। ये कहना है गांधीवादी रमेश चंद शर्मा का।

जी हां बात हो रही है। नई दिल्ली स्थित गांधी शांति प्रतिष्ठान की, जो आईटीओ के समीप पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थित है।

महात्मा गांधी के विचारों और मूल्यों को संरक्षित व प्रसारित करने के मकसद से 31 जुलाई 1958 को गांधी शांति प्रतिष्ठान (दिल्ली) की स्थापना की गई थी। यह संस्था अहिंसा, शांति, और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तर पर कार्य करती है। इस संस्थान के प्रमुख संस्थापकों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू और आर. आर. दिवाकर शामिल थे। इसके अलावा, लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भी इसके गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर-लाल नेहरू, और गांधीवादी नेता आर. आर. दिवाकर (जो इसके पहले अध्यक्ष बने) इसके मुख्य संस्थापकों में शामिल थे। इसके शुरुआती संरक्षकों और सदस्यों में जाकिर हुसैन, सी. राजगोपालाचारी, आचार्य जे. बी. कृपलानी, सुचेता कृपलानी और मोरारजी देसाई जैसे दिग्गज शामिल थे। सुप्रसिद्ध गांधीवादी आर. आर. दिवाकर इसके संस्थापक अध्यक्ष और जी. रामचंद्रन, संस्थापक सचिव हुए। इसके बाद अनेक विभूतियों ने अध्यक्ष और सचिव के पद को सुशोभित किया।

प्रतिष्ठान का अतीत उपलब्धियों वाला रहा है।1962 में इसने परमाणु हथियारों के निर्माण, परीक्षण और भंडारण को समाप्त करने पर तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया और 1963 की आंशिक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के लिए समर्थन जुटाने हेतु कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल भेजे। इसने बांग्लादेश की मुक्ति के लिए जन समर्थन जुटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्तर पर, इसने 1970 के दशक के आरंभ में चंबल घाटी में डाकुओं के आत्मस-मर्पण, 1970 के दशक के उत्तरार्ध में राष्ट्रीय वयस्क शिक्षा कार्यक्रमों के प्रचार और 1970 के दशक के आरंभ में अकाल विरोधी युवा अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह संस्था गांधीवादी संगठनों से जुड़े विद्वानों और कार्यकर्ताओं के लिए आवास और शाकाहारी भोजन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध कराने के लिए एक छात्रावास भी संचालित करती है। कार्यालय भवन में एक सेमिनार हॉल और एक सुसज्जित पुस्तकालय है। सेमिनार हॉल कम मूल्य में गांधी मूल्यों, लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाले संस्थाओं को उपलब्ध हो जाया जाता था। इस कारण कम बजट वाली संस्थाओं को आयोजन करने में सहूलियत होती थी। अब स्थिति काफी बदल गयी है।

हालिया घटनाक्रमों के और बदलाव गांधी शांति प्रतिष्ठान नई दिल्ली के संबंध में व्यापक जन-संवाद हेतु एक सार्वजनिक अपील जाने माने गांधीवादी राजगोपाल पी. वी., गांधीवादी अध्ययन के अग्रणी विद्वान और अहमदाबाद स्थित गुजरात विद्यापीठ के पूर्व कुलपति सुदर्शन अयंगर,भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बाद लगातार तीन बार सचिव बनने वाले पहले व्यक्ति के रुप में जाने जानेवाले सुरेंद्र कुमार और निशांत अखिलेश ने की है। इनके मुताबिक गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, पिछले सत्तर वर्षों से अधिक समय से गांधीवादी चिंतन के अध्ययन, प्रसार और संवर्धन में संलग्न रहा है। इसके पर्यावरण प्रकोष्ठ से जुड़े दिवंगत अनुपम मिश्र देश और विदेश में व्यापक रूप से जाने जाते रहे हैं। उनके संपादन में हिंदी पत्रिका 'गांधी मार्ग' ने विशेष प्रतिष्ठा और व्यापक पहचान प्राप्त की किन्तु हाल के कुछ घटनाक्रमों और उनसे संबंधित पत्राचार के आलोक में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि इस विषय को व्यापक समाज के संज्ञान में लाया जाए।

इन नेलोगों स्पष्ट किया हैं उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर आरोप लगाना या मतभेदों को बढ़ाना नहीं है। एकमात्र उद्देश्य इन निर्णयों, प्रक्रियाओं और उनके प्रभावों को संतुलित एवं पारदर्शी ढंग से समझना तथा संवाद के माध्यम से एक रचनात्मक रास्ता तलाशना है।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना ने मेरठ जनपद के ग्रामीण अंचलों में सूक्ष्म और लघु उद्योगों को दिया अभूतपूर्व विस्तार

उत्तर प्रदेश की आत्मा इसके गांवों में बसती है और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक स्वावलंबन लाने, स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसरों का सृजन करने तथा गांवों से महानगरों की ओर होने वाले जनसांख्यिकीय पलायन को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार एक दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में ग्रामीण युवाओं, पारंपरिक कारीगरों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना शामिल है, ताकि वे अपने ही परिवेश में रहकर आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो सकें। उत्तर प्रदेश शासन की चालू वर्ष की विशेष कार्ययोजना में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र मेरठ को विशेष प्राथमिकता और महत्ता दी गई है। प्रदेश सरकार द्वारा जिन मंडलों में सर्वाधिक इकाइयां स्थापित करने का विस्तृत खाका तैयार किया गया है, उनमें मेरठ मंडल को प्रमुखता से शामिल करते हुए बड़े लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। चालू वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम लक्ष्यों को देखें तो लखनऊ मंडल में 66, कानपुर मंडल में 64 और मुरादाबाद मंडल में 63 इकाइयों के सापेक्ष मेरठ मंडल में न्यूनतम 56 स्टार्ट-अप इकाइयां स्थापित करने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। स्थानीय प्रशासन और क्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय के आधिकारिक विवरणों के अनुसार, इस निर्धारित लक्ष्य के अंतर्गत अकेले मेरठ जिले में कम से कम 9 अत्याधुनिक और रोजगारपरक स्टार्ट-अप इसी वित्तीय वर्ष में धरातल पर स्थापित किए जाएंगे, जो स्थानीय ग्रामीण युवाओं के आर्थिक विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। मेरठ जिला अपनी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति, दिल्ली-एनसीआर से बेहतर कनेक्टिविटी, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे और उद्यमी संस्कृति के कारण इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए बेहद अनुकूल है। यहां के ग्रामीण युवाओं को इस योजना के माध्यम से सीधे आधुनिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में तेजी से लाया जा रहा है। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों की समसामयिक और विविध आवश्यक-ताओं को ध्यान में रखते हुए मुख्य रूप से मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) और सर्विस (सेवा) दोनों ही क्षेत्रों में व्यापक सहायता प्रदान करती है। इसमें सर्विस सेक्टर के तहत ग्रामीण अंचलों में आधुनिक सेवाओं की लगातार बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए टेंट हाउस, कैटरिंग और ब्यूटी पार्लर जैसी व्यावसायिक इकाइयों को शामिल किया गया है। वहीं मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में मेरठ के पारंपरिक और औद्योगिक मिजाज के सर्वथा अनुकूल इंजीनियरिंग वर्क्स, उन्नत कृषि उपकरण निर्माण और वस्त्र उद्योग जैसी विनिर्माण इकाइयों को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-2027 के शानदार बजटीय आवंटन, शासकीय नीतियों और मेरठ मंडल को मिले विशेष लक्ष्यों ने स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक तंत्र और युवाओं दोनों में एक नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया है। इसी कल्याणकारी कड़ी में, उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा व्यावसायिक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के समन्वय से संचालित श्मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजनाश् पूरे प्रदेश के लिए एक संजीवनी और वरदान साबित हो रही है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए प्रदेश सरकार द्वारा जारी नया बजट और इसके तहत निर्धारित किए गए महत्वाकांक्षी लक्ष्य से इस योजना को जो मजबूती मिली, उससे ग्रामीण परिवेश में सूक्ष्म और लघु उद्योगों के आधार मज़बूत होने लगे हैं।

जरा हटके

इस परियोजना के...

अभिषेक सिंह

बड़ी बूआ रेलवे क्रॉसिंग पर निर्मित उपरिगामी सेतु अयोध्या की यातायात और पर्यटन में हुआ है ऐतिहासिक बदलाव

उत्तर प्रदेश सेतु निगम द्वारा जनपद अयोध्या में पंचकोशी परिक्रमा मार्ग स्थित बड़ी बूआ रेलवे क्रॉसिंग संख्या-112 पर दो लेन रेल उपरिगामी सेतु (त्व्ठ) का निर्माण एक ऐसी महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में सामने आया है, जिसने न केवल यातायात की पुरानी समस्या का समाधान किया, बल्कि अयोध्या की धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान की है। लगभग 74.24 करोड़ की लागत से निर्मित इस परियोजना ने क्षेत्रीय विकास के साथ-साथ श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाया है। अयोध्या देश और दुनिया के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर स्थित बड़ी बूआ रेलवे क्रॉसिंग लंबे समय से यातायात बाधाओं का प्रमुख कारण बनी हुई थी। रेलवे फाटक बंद होने के दौरान वाहनों की लंबी कतारें लग जाती थीं, जिससे स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, श्रद्धालुओं तथा आपातकालीन सेवाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेष अवसरों, धार्मिक आयोजनों और परिक्रमा के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती थी। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने सेतु निगम के माध्यम से इस महत्वपूर्ण रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण का निर्णय लिया। अप्रैल 2022 में प्रारंभ हुई यह परियोजना निर्धारित समयसीमा के भीतर दिसंबर 2023 में पूर्ण कर ली गई। लगभग 844 मीटर लंबी इस परियोजना में आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग करते हुए मजबूत और सुरक्षित संरचना तैयार की गई। दो लेन तथा 7.50 मीटर चौड़े इस सेतु का निर्माण रेलवे तथा सड़क यातायात की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया गया, जिससे भविष्य की बढ़ती यातायात मांग को भी पूरा किया जा सके। इस परियोजना का सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि रेलवे फाटक पर होने वाला यातायात अवरोध पूरी तरह समाप्त हो गया। अब वाहन बिना रुके और बिना प्रतीक्षा किए सहज रूप से आवागमन कर रहे हैं। इससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आई है, ईंधन की बचत हो रही है तथा वाहनों के रुकने और चलने से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण में भी कमी दर्ज की गई है। साथ ही, दुर्घटनाओं की संभावना कम होने से सड़क सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

यह सेतु अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है। पंचकोशी परिक्रमा मार्ग तथा प्रमुख धार्मिक स्थलों तक पहुंच अब पहले की तुलना में अधिक सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक हो गई है। राम मंदिर के निर्माण और अयोध्या में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए यह परियोजना शहर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई है। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है तथा स्थानीय व्यापार और सेवा क्षेत्र को भी नई ऊर्जा प्राप्त हुई है। इस उपरिगामी सेतु के निर्माण से आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लगभग तीन लाख से अधिक आबादी को प्रत्यक्ष रूप से इसका लाभ मिल रहा है।

यह परियोजना उत्तर प्रदेश सेतु निगम की तकनीकी दक्षता, गुणव-त्तापूर्ण निर्माण और समयबद्ध कार्य निष्पादन का उत्कृष्ट उदाहरण है। निर्धारित अवधि में निर्माण कार्य पूरा कर निगम ने यह सिद्ध किया है कि बेहतर योजना, प्रभावी समन्वय और आधुनिक निर्माण तकनीकों के माध्यम से जनहित की बड़ी परियो-जनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा सकता है। बड़ी बूआ रेलवे क्रॉसिंग पर निर्मित यह रेल उपरिगामी सेतु केवल एक पुल नहीं, बल्कि अयोध्या की विकास यात्रा का एक सशक्त प्रतीक है। इसने यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया, धार्मिक पर्यटन को गति दी, नागरिकों के जीवन को सुविधाजनक बनाया और क्षेत्रीय विकास के नए द्वार खोले। यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार और सेतु निगम की जनकल्याणकारी सोच तथा विकासोन्मुखी दृष्टिकोण की एक प्रेरणादायक सफलता गाथा है।

उत्तर प्रदेश सेतु निगम द्वारा जनपद अयोध्या में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 बाईपास से टेढ़ी बाजार होते हुए श्रीराम जन्मभूमि तक रेलवे समपार संख्या-111 बी पर निर्मित 4-लेन रेल उपरिगामी सेतु (आरओबी) प्रदेश की महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं में से एक है। लगभग ₹140.63 करोड़ की लागत से निर्मित इस परियोजना ने अयोध्या नगर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा प्रदान की है। मई 2022 में प्रारम्भ होकर जनवरी 2024 में पूर्ण हुई यह परियोजना आज लाखों लोगों के लिए सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन का माध्यम बन चुकी है। लगभग 642 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा यह आधुनिक सेतु अयोध्या के बढ़ते यातायात दबाव को कम करने तथा धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस परियोजना के निर्माण से पहले टेढ़ी बाजार स्थित रेलवे समपार फाटक क्षेत्र की सबसे बड़ी यातायात समस्या थी। ट्रेन के आवागमन के दौरान फाटक बंद होने से घंटों लंबा जाम लग जाता था, जिससे आम नागरिकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, मरीजों और श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से श्रीराम जन्मभूमि में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं तथा अयोध्या नगर में बढ़ते पर्यटकों की संख्या के कारण यह समस्या और अधिक गंभीर होती जा रही थी। रेलवे फाटक पर प्रतीक्षा के कारण समय, ईंधन और श्रम की बड़ी हानि होती थी, जिससे स्थानीय जनजीवन प्रभावित रहता था। रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण के बाद यह स्थिति पूरी तरह बदल गई है।

यूपी के 21 जिलों में आंधी-तूफान का अलर्ट

70 की स्पीड से हवाएं चलेंगी, 24 घंटे में 5 मौतें, 20 जून तक आ सकता है मानसून

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव है। मौसम विभाग ने रविवार को 21 शहरों में आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की है। इस दौरान 60-70 किमी की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। 5 जिलों में बारिश का अलर्ट है। हालांकि, रविवार सुबह ज्यादातर जिलों में हल्की धूप है। कहीं-कहीं बादल छाए हैं। उमस की वजह से गर्मी बढ़ गई है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- हरियाणा के आसपास पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव है। इसके चलते प्री-मानसून की बारिश हो रही है। 17-20 जून तक मानसून यूपी में सोनभद्र और ललितपुर के रास्ते एंट्री कर सकता है। अभी मानसून बिहार

तक पहुंच चुका है। यूपी में आमतौर पर मानसून की एंट्री 20 जून तक होती है। मौसम वैज्ञानिक यह भी कहते हैं कि पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने से मानसून की एंट्री की तारीख पर बदलाव की मजबूत संभावनाएं हैं। शनिवार की बात करें तो प्रदेश के 25 जिलों में आधी- बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर में 6.8 मिमी रिकॉर्ड की गई। प्रयागराज-लखनऊ में तूफान आया। कानपुर में घरों में पानी घुस गया। पिछले 24 घंटे में आंधी-बारिश से जुड़े हादसों में 5 लोगों की मौत हुई है। उन्नाव और गाजीपुर में आकाशीय बिजली गिरने से एक-एक किसान की जान गई। वहीं कासगंज में आंधी के दौरान मकान का लिंटर गिरने से पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई। आगरा में सुबह से धूप निकली हुई है। बीच-बीच में बादल भी छा रहे हैं। तापमान 31°C के आसपास बना हुआ है। न्यूनतम तापमान 27°C और अधिकतम तापमान 39°C रहने का अनुमान है।

गोरखपुर में सुबह से तेज धूप निकली, अपडेट दे रहे भास्कर रिपोर्टर

गोरखपुर में रविवार सुबह से ही तेज धूप और उमस ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आसमान साफ रहने से धूप का असर ज्यादा महसूस हो रहा है। हवा में नमी 55 फीसदी से अधिक होने के कारण लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर तक तापमान बढ़ने के साथ उमस और बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिन में 15 से 20 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, हवा चलने के बावजूद लोगों को गर्मी से ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद कम है।

झांसी में तेज धूप की वजह से गर्मी और उमस बढ़ी

झांसी में लगातार दूसरे दिन रविवार सुबह से तेज धूप खिली है। इस वजह से गर्मी और उमस बढ़ गई है। कूलर-पंखे भी काम नहीं कर रहे हैं। हालांकि, मौसम विभाग ने आज बारिश का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री दर्ज किया गया। आज भी पारा 40 डिग्री से नीचे रह सकता है। सुबह 9 बजे तापमान 32 डिग्री पहुंच गया।

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम...

- 15 जून: पश्चिमी यूपी में तेज हवाएं चलेंगी और जोरदार बारिश होगी। पूर्वी यूपी में मौसम साफ रहेगा।
- 16 जून: पूरे प्रदेश में बादलों की आवाजाही रहेगी। हवा में नमी की वजह से गर्मी से कुछ राहत मिलेगी।
- 17 जून: यूपी में मौसम साफ रहेगा। तेज हवाएं चलेंगी। बादलों की आवाजाही के कारण कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।
- 18 जून: पूरे प्रदेश में बादलों की आवाजाही रहेगी। कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।
- 19 जून: पूरे प्रदेश में हल्की से भारी बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं तूफान भी आ सकता है।

कन्नौज में ढाई घंटे देर से लगा स्वास्थ्य मेला

बीडीओ और अधीक्षक में आरोप-प्रत्यारोप, लेट पहुंचे अफसर-कर्मचारी

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। कन्नौज में लोगों के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण के लिए रविवार को सदर ब्लाक सभागार में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जाना था। इसके लिए 10 बजे का समय निर्धारित किया गया। इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (बिनोद दीक्षित अस्पताल) के अधीक्षक डॉ. सुधांशु दुबे की ओर से बीती शाम स्वास्थ्य टीम को आदेश दिया गया। जिसमें डॉक्टर पवन श्रीवास्तव, सीएचओ कपिल कुमार, साधना, उपासना, आदित्य यादव और अभिषेक दुबे की ड्यूटी लगाई गई। सुबह 10 बजे तक आदित्य यादव और अभिषेक दुबे सदर ब्लाक पहुंच गए, जबकि टीम के अन्य सदस्य 1 घण्टे लेट पहुंचे। दोपहर 12 बजे तक ब्लाक सभागार में न बैनर लग सके और न ही मरीज पहुंचे। दोपहर 12 बजे

जैसे ही मीडिया कर्मी ब्लाक परिसर में पहुंचे तो वहां आनन-फानन में व्यवस्थाएं कराई जाने लगीं। कुछ ही देर में स्वास्थ्य टीम भी पहुंच गई। यहां 10 बजे की बजाय स्वास्थ्य शिविर ढाई घण्टे देरी से लगा। इस मामले को लेकर संवददाता ने जब सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुधांशु दुबे से बात की तो उन्होंने बताया कि मुझे अफसरों से जानकारी मिली कि वहां शिविर नहीं लगा। जब मैंने पता किया तो जानकारी मिली कि टीम के सदस्य वहीं है और एक कमरे में बैठे हुए हैं।

फास्ट न्यूज

बस्ती में 5,448 में से 2,748 ने छोड़ी लिखित परीक्षा

बस्ती। बस्ती में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रवक्ता लिखित परीक्षा रविवार को संपन्न हुई। जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर हुई इस परीक्षा में पंजीकृत 5448 अभ्यर्थियों में से 2748 अनुपस्थित रहे, जबकि 2700 ने ही परीक्षा दी। इस प्रकार, लगभग आधे अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे।

चित्रकूट में पानी का संकट खत्म

चित्रकूट। बुंदेलखंड के चित्रकूट जिले में वर्षों से चला आ रहा पेयजल संकट अब समाप्त हो गया है। जल जीवन मिशन के तहत अब गांव-गांव तक नल से जल पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। गर्मी के मौसम में जहां लोगों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, वहीं अब हर घर में नल का पानी उपलब्ध है। टीम ने जमीनी हकीकत जानने के लिए मानिकपुर ब्लॉक के रैपुर ग्राम समूह जल योजना के अंतर्गत आने वाले उड़की, गोरिया और अगरहुड़ा गांवों का दौरा किया।

'समाजवादी पार्टी का एजेंडा नेगेटिव है'

आगरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर आगरा पहुंचे प्रदेश के प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह ने जहां केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया, वहीं समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा का एजेंडा पूरी तरह नकारात्मक है। उसका उद्देश्य समाज में भ्रम व विभाजन पैदा करना है। उन्होंने दावा किया कि सपा शासनकाल की अराजकता, गुंडागर्दी और परिवारवाद को जनता आज भी भूली नहीं है।

उन्नाव में मदरसा पर चल बुलडोजर

प्रशासन ने खेल मैदान की भूमि से अवैध कब्जा हटाया, भारी पुलिस बल तैनात

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिले के माखी थाना क्षेत्र के इंसुनिया गांव में रविवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खेलकूद के मैदान की भूमि पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। भारी पुलिस बल और राजस्व विभाग की टीम की मौजूदगी में न्यायालय के आदेश का पालन कराते हुए प्रशासन ने कब्जा हटाने की कार्रवाई पूरी की। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, ग्राम इंसुनिया स्थित गाटा संख्या 122 की भूमि खेलकूद के मैदान के लिए दर्ज है। इस भूमि का रकबा करीब 0.835 हेक्टेयर है। इसी जमीन पर अवैध रूप से मदरसा संचालित होने की बात सामने आई थी। ग्रामीणों की शिकायत के बाद मामला राजस्व न्यायालय पहुंचा, जहां सुनवाई के बाद बेदखली का आदेश जारी किया गया था। रविवार

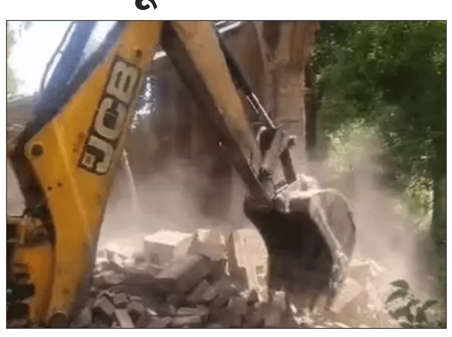

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि अवैध निर्माण हटाए जाने के बाद इस भूमि का उपयोग खेलकूद के मैदान के रूप में किया जाएगा। पूरे क्षेत्र में तार फेंसिंग कराई जाएगी, ताकि जमीन सुरक्षित रहे और गांव के बच्चों को खेलकूद की बेहतर सुविधा मिल सके।

को तहसील प्रशासन, पुलिस विभाग और राजस्व टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने पहले से जारी आदेश और नोटिस के आधार पर अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया शुरू की।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं के पहुंचने से बनी थी तनावपूर्ण स्थिति

इस कार्रवाई से पहले शनिवार को बजरंग दल के करीब 8 से 10 कार्यकर्ता इंसुनिया गांव पहुंचे थे। उन्होंने खेल मैदान की भूमि पर बने अवैध निर्माण को हटाने की मांग की थी। कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद कुछ समय के लिए मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी सफीपुर, क्षेत्राधिकारी सफीपुर और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और मौके से हटाते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की थी। इसके बाद प्रशासन ने रविवार को निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की।

पूरे क्षेत्र में तार कराई जाएगी फेंसिंग

एसडीएम क्षितिज द्विवेदी ने बताया– गाटा संख्या 122, जिसका रकबा 0 .835 हेक्टेयर है। राजस्व अभिलेखों में खेलकूद के मैदान के रूप में दर्ज है। इस भूमि पर अवैध रूप से मदरसा संचालित किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मामले में राजस्व न्यायालय द्वारा बेदखली का आदेश पारित किया गया था। नियमानुसार संबंधित पक्ष को नोटिस तामील कराते हुए कब्जा हटाने के लिए पर्याप्त अवसर भी दिया गया।

विश्व रक्तदान दिवस पर 33 लोगों ने किया रक्तदान

बुलंदशहर में दिखा उत्साह, दो मुस्लिम युवकों ने भी दिया योगदान

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर। विश्व रक्तदान दिवस पर बुलंदशहर में रक्तदान को लेकर खासा उत्साह देखा गया। इस अवसर पर जीवन बचाने के लिए लोगों को रक्तदान के प्रति प्रेरित किया गया।

रोटरी क्लब बुलंदशहर फ्रेंड्स ने नुमाइश ग्राउंड के पास स्थित बुलंदशहर चैरिटेबल ब्लड सेंटर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। परम ग्रुप के एमडी राजीव कुमार ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया और युवाओं से नियमित रक्तदान करने की अपील की। शिविर में कुल 33 महिला और पुरुष रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

इनमें दो मुस्लिम युवकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर

सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश की। चैरिटेबल सेंटर के डायरेक्टर डॉ. चंद्रजीत तोमर ने मुख्य अतिथि राजीव कुमार, रोटरी क्लब बुलंद-शहर फ्रेंड्स के अध्यक्ष राजेश गुप्ता और संयोजक सूर्य भूषण मित्तल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

डॉ. तोमर ने बताया कि रक्तदान से कोई कमजोरी नहीं आती और हर स्वस्थ व्यक्ति तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है।

इस अवसर पर सेंटर के मार्केटिंग मैनेजर विशाल त्यागी, क्लब के सदस्य राजेश गुप्ता, सचिव अनिल कुमार, नरेश गोयल, मुकेश गुप्ता, तुषार गुप्ता, जेम्स जिंदल, मुकेश अग्रवाल, चंद्रेश गर्ग, राजेश आर्य, डॉ. मोहित गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राजीव सिंहल, सूर्य भूषण मित्तल, अंश शर्मा, सार्थक गुप्ता, विशाल रस्तोगी, राजेश आर्य और राष्ट्र चेतना मिशन के अध्यक्ष हेमंत सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पिता-पुत्र के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर एफआईआर

नर्सिंग कॉलेज के नाम पर लाखों की ठगी

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुलतानपुर के लंभुआ में एक नर्सिंग कॉलेज के प्रबंधक और उनके बेटे के खिलाफ लाखों रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर हुई है। आरोप है कि दो सगी बहनों को मेडिकल कॉलेज में दाखिले और सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगा गया। प्रतापगढ़ के कंधई थाना क्षेत्र के नारायणपुर निवासी रागिनी सिंह ने इस संबंध में कोर्ट में याचिका दायर की थी। रागिनी और उनकी बहन प्रियंका सिंह ने सत्र 2020-21 और 2021-22 में लंभुआ स्थित 'जय मां विन्ध्यवासिनी नर्सिंग पैरा मेडिकल कॉलेज' में एएनएम द्विवर्षीय डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लिया था। पीड़िताओं के अनुसार, उन्होंने कोर्स फीस के तौर पर कुल

4,80,000 रुपए और 15,000-15,000 रुपए रजिस्ट्रेशन फीस जमा की थी। यह राशि कॉलेज प्रबंधक भूपेन्द्र उपाध्याय के खाते में ऑनलाइन और नकद दोनों माध्यमों से दी गई।

इसके बाद उन्होंने न्यायालय का रुख किया। न्यायालय के आदेश पर लंभुआ पुलिस ने कॉलेज प्रबंधक भूपेन्द्र उपाध्याय और उनके बेटे अमिय उपाध्याय के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले की विवेचना उपनिरीक्षक रवीन्द्र प्रताप सिंह को सौंपी गई है।

अंतरजनपदीय चोर गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार

16 लाख के जेवरात, नकदी चोरी का खुलासा, पुलिस को 25 हजार का इनाम

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर पुलिस ने अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। कुड़वार पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने 14 जून को फिरोजपुर कलां तिराहा, थाना कुड़वार से एक अंतरजनपदीय चोर गिरोह के चार शातिर सदस्यों को गिरफ्तार किया।

यह कार्रवाई मुखबिर की सटीक सूचना पर की गई। आरोपियों के पास से 2.5 लाख से अधिक कैश व 16 लाख के ऊपर के जेवरात बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया गया है। इस सफलता के लिए पुलिस टीम को 25,000 रुपये का इनाम भी दिया गया है।bपूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे चोरी करने से पहले लक्ष्य बनाए गए मकान की रेकी करते थे। कई दिनों तक आने-जाने के रास्तों और

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी की जाती थी। पकड़े जाने से बचने के लिए वे घटना के समय अपने मोबाइल फोन साथ नहीं रखते थे या उन्हें स्विच ऑफ करके दूर रख देते थे।

वे घर के सदस्यों के सो रहे होने के बावजूद चोरी को अंजाम देते थे। चोरी किए गए चांदी के आभूषणों को बेचने और सोने-चांदी को गलाने में सुल्तानपुर के पंजाबी कॉलोनी निवासी जौहरी मनीष जायसवाल उनकी मदद करता था। मनीष जायसवाल चोरी के आभूषणों को बेचकर अपना हिस्सा लेता था और बाकी पैसे गिरोह में बांटता था। फिलहाल, मनीष जायसवाल कुछ चोरी के माल के साथ फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। सभी संबंधित मुकदमों में धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। इस गिरोह की गिरफ्तारी से सुल्तानपुर जिले की कई बड़ी चोरियों का खुलासा हुआ है।

नमें कोतवाली नगर में डॉ. संजय मिश्रा के मकान में हुई चोरी, थाना जयसिंहपुर के जगदीशपुर और बहली ग्राम में लगातार हुई तीन चोरियां शामिल हैं। थाना कुड़वार क्षेत्र में हुई दो अन्य चोरियां भी इसी गिरोह ने की थीं।

जनपद प्रतापगढ़ के थाना कोतवाली नगर व अन्तू (पूरे ईश्वरनाथ व डंगरी दूबेपुर) में हुई चोरियां भी इस गिरोह ने की थीं। प्रतापगढ़ की इन चोरियों के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले थे। पकड़े गए आरोपियों में से तीन सुल्तानपुर के नामी हिस्ट्रीशीटर हैं, जिन पर पहले से दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं।

जावेद अहमद निवासी घरहा कला, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर-12A) इसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित कुल 34 गंभीर मामले दर्ज हैं। अजीम कुरैशी निवासी लाला का पुरवा, नॉर्मल चौराहा, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर - 143A) इसके खिलाफ 23 मुकदमे दर्ज हैं। मो० आदिल निवासी डिहवा कला, सुल्तानपुर (हिस्ट्रीशीटर - 136A) इसके खिलाफ 27 मुकदमे दर्ज हैं। अजय कुमार कोरी निवासी डिहवा राहुल चौराहा, सुल्तानपुर इसके खिलाफ 6 मुकदमे दर्ज हैं।

जनपद प्रतापगढ़ के थाना कोतवाली नगर व अन्तू (पूरे ईश्वरनाथ व डंगरी दूबेपुर) में हुई चोरियां भी इस गिरोह ने की थीं।

प्रतापगढ़ की इन चोरियों के सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिले थे।

पकड़े गए आरोपियों में से तीन सुल्तानपुर के नामी हिस्ट्रीशीटर हैं, जिन पर पहले से दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं।

घटना : दरोगा के रसूख से दुकान की खाली, रोते हुए बोले- 8 लाख का लोन था... आत्महत्या करनी पड़ेगी

वसूलीबाज पुलिस के तीन कारनामें

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में वसूलीबाज पुलिसकर्मियों की वजह से आमजन के बीच खाकी ने एक बार फिर अपना भरोसा तोड़ दिया है। घाटमपुर में फ्री की आइसक्रीम खाने के मामले में पुलिस अधिकारियों ने एक कांस्टेबल सुरेश कुमार को सस्पेंड कर पूरे मामले से इतिश्री कर ली। इस घटना को चंद दिन भी नहीं बीते थे कि महाराजपुर में चौकी इंचार्ज को मुफ्त में रजनीगंधा न खिलाना बुजुर्ग दुकानदार को भारी पड़ गया, दरोगा के रसूख के कारण बुर्जुग को अपनी रोजी रोटी गवानी पड़ी। घटना के 6 दिन बीतने के बाद चौकी प्रभारी के खिलाफ सिर्फ ट्रांसफर की कार्रवाई की गई, वहीं बुजुर्ग को अपनी दुकान खाली करनी पड़ी। बुजुर्ग ने बिलखते हुए कहा कि दरोगा जी ने कहा था

कि चार दिन में तुम्हारी दुकान बंद करा देंगे। वहीं हुआ भी, अब हमारा मान–सम्मान भी गया, दुकान भी गई... सरकार से 8 लाख रुपए लोन लिया था। अब उसे कैसे भरेंगे... लोन नहीं अदा हुआ तो आत्महत्या कर लेंगे।दुकान खाली कराने के विरोध में व्यापारी एसीपी कैंट अमित चौरसिया से मिलने पहुंचे, जिस पर उन्होंने डीवीआर लेकर जांच करने की बात कही। इन दो घटनाओं के बाद सजेती थाना प्रभारी पर एसी मांगने का आरोप लग गया। पीड़ित प्रधानी चुनाव का उम्मीदवार है। आरोप है कि थाना प्रभारी अनुज कुमार भारती चुनाव लड़ने के एवज में उससे लाखों रुपए वसूल चुके हैं। पैसे देने से मना करने पर उच्चाधिकारी को एसी भिजवाने के नाम पर 55 हजार रुपए की डिमांड कर दी।

फ्री में ली आइसक्रीम, शिकायत पर 50 रुपए देने पहुंचे

29 मई को कानपुर के घाटमपुर में रेहड़ी-पटरी दुकानदारों ने PRV 9303 में तैनात पुलिसकर्मियों पर फ्री में गोलगप्पे और आइसक्रीम खाने, अभद्र व्यवहार करने और धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए थे। जिसके बाद उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने एक्स के जरिए उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया था कि बसंत विहार स्थित कुष्मांडा देवी तिराहा के पास बालाजी मेडिकल स्टोर के सामने पानीपूरी विक्रेता रामकरन और आइसक्रीम विक्रेता उदयराम उर्फ ईश्वर लंबे समय से रेहड़ी लगा रहे हैं। आरोप था कि PRV में तैनात पुलिसकर्मी अक्सर दोनों दुकानदारों से फ्री में आइसक्रीम और गोलगप्पे खाते हैं।

रजनीगंधा न देने पर खाली करनी पड़ी दुकान

पुरवामीर निवासी दुकानदार नीरज सिंह ने बताया कि उनकी बाजार में बाबा जलपाल गृह के नाम से होटल है। 7 जून की देर रात पिता रामशरण सिंह होटल में मौजूद थे। तभी पुरवामीर चौकी में तैनात कांस्टेबल उनसे फ्री में रजनीगंधा मांगने आया, पिता के इंकार करने पर चौकी इंचार्ज राजेश सिंह आए और गाली–गलौज कर मादक पदार्थ बेचने की बात कहते जेल भेजने की धमकी देने लगे। रजनीगंधा देने के बाद चौकी इंचार्ज चार दिनों में दुकान खाली कराने की बात कहकर निकल गए।

पति की लाश से पत्नी ने मांग में सिंदूर भरवाया

रोते हुए बोलीं- अब चूड़ियां कैसे उतारूं, प्रयागराज में 4 दोस्तों की हुई थी मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। उन्नाव में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले अनुपम से पत्नी ने आखिरी बार मांग में सिंदूर भरवाया। शनिवार सुबह अनुपम का शव उन्नाव से प्रयागराज उनके घर पहुंचा, तो पत्नी प्रिया बेसुध हो गईं। रोते-रोते शव के पास बैठ गईं। इसी दौरान एक महिला सिंदूरदान लेकर आई। रिश्तेदार ने अनुपम की उंगली पर सिंदूर लगाया, फिर प्रिया ने सिर झुकाकर अपनी मांग में सिंदूर भरवाया। इसके बाद पति के पैर छूकर प्रिया फूट-फूटकर रोने लगीं। कहने लगीं- चूड़ी लेकर आए थे हमारे लिए...अब इन्हें कैसे उतारूं...? यह दृश्य जिसने भी

देखा, उसकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मां भी बेटे शव से लिपट गईं। रोते हुए बोलीं- एक बार चेहरा दिखा दो। अब मेरा बेटा कभी नहीं मिलेगा। मैं तुम्हारे पैर पड़ती हूं, बस एक बार मुझे चेहरा देख लेने दो।

दरअसल, शुक्रवार को उन्नाव में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुए सड़क हादसे में 4 दोस्तों की मौत हो गई थी। चारों शिमला घूमने जा रहे थे। इनमें प्रयागराज के रहने वाले अनुपम भी शामिल थे। शनिवार को चारों दोस्तों के शव उनके घर लाए गए। तीन दोस्त उदय, अनुपम और विजय का प्रयागराज के छतनाग घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। अमन कश्यप का अंतिम संस्कार प्रतापगढ़ स्थित उनके पैतृक गांव मांधाता में हुआ। शनिवार को सबसे पहले मां-बाप के इकलौते बेटे उदय सिंह की अर्थी घर से निकली। बेटे को अंतिम विदाई देते समय माता-पिता की हालत देखकर लोगों की आंखें नम हो गईं। पिता राम सिंह ने बेटे को मुखाग्नि दी। इसके बाद विजय कुमार की अर्थी उठी। विजय की चिता को बड़े भाई रोशन लाल ने मुखाग्नि दी।

भीड़ के बीच पुलिस कर्मियों से भिड़े श्रद्धालु

बांके बिहारी मंदिर के रास्ते पर हुआ झगड़ा, महिला ने किया बीच-बचाव

हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। वृंदावन में अधिक मास के अंतिम दिनों में उमड़ रही भीड़ के बीच पुलिस और कुछ श्रद्धालुओं के बीच हाथापाई हो गई। इसकी वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बांके बिहारी मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग का है, जहां भीड़ नियंत्रण के दौरान कुछ युवक पुलिसकर्मियों से उलझ गए। घटना के दौरान युवकों के साथ मौजूद एक महिला दोनों पक्षों के बीच विवाद शांत कराने का प्रयास करती नजर आई।

इस बीच वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हंगामे

के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि विवाद करने वाले युवक भीड़ का फायदा उठाकर वहां से निकल गए।

जबरन आगे निकलने की कोशिश पर बढ़ा विवाद

रविवार को वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन ने विभिन्न स्थानों पर होल्डिंग एरिया बनाए थे। यहां श्रद्धालुओं को चरणबद्ध तरीके से मंदिर की ओर भेजा जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर के मुख्य मार्ग पर मनीपाड़ा क्षेत्र के बाहर पुलिसकर्मी रस्से के माध्यम से भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और बैरिकेडिंग पार कर जबरन आगे निकलने का प्रयास करने लगे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिस पर विवाद शुरू हो गया।

पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर युवकों की पहचान करने में जुटी हुई है।

इसके बाद विवाद और बढ़ गया।

मौके पर मौजूद अन्य युवक भी पुलिसकर्मियों से उलझते नजर आए। वीडियो में कुछ युवक पुलिस-कर्मियों की वर्दी खींचते हुए भी दिखाई दे रहे हैं।

अधिक मास के कारण बढ़ी श्रद्धालुओं की संख्या

सोमवार को अधिक मास का समापन होने जा रहा है।

इसके चलते वृंदावन, गोवर्धन परिक्रमा मार्ग और ब्रज 84 कोस परिक्रमा क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।

बड़ी संख्या में भक्त मंदिरों में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। स्थिति यह है कि बांके बिहारी मंदिर जाने वाले मार्ग पर मात्र 100 मीटर की दूरी तय करने में श्रद्धालुओं को करीब आधा घंटा तक इंतजार करना पड़ रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार निगरानी बनाए हुए हैं। जिस पर विवाद शुरू हो गया।

पुलिस कर्मियों से झगड़ा कर रहे युवक भीड़ का फायदा उठाकर मौके से भाग खड़े हुए

पुलिसकर्मियों से हुई धक्का-मुक्की

बताया जा रहा है कि तीन से चार युवक रस्से के नीचे से निकलकर आगे जाना चाहते थे। पुलिसकर्मियों द्वारा रोकने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। देखते ही देखते मामला धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। वायरल वीडियो में एक युवक पुलिसकर्मी को धक्का देता दिखाई दे रहा है।

20 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मथुरा में 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत पकड़े गए

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए कोतवाली पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 20 किलो से अधिक गांजे के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात कोतवाली पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एसबीआई चौराहे से धौली प्याऊ रोड स्थित रेलवे फाटक के पास दो संदिग्ध युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में गांजा मिला, जिसके बाद दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुल मोहम्मद (26 वर्ष) पुत्र नूर मोहम्मद और शाहरुख (25 वर्ष) पुत्र तय्यूब के

रूप में हुई है। ये दोनों कासगंज जनपद के थाना सोरो स्थित मल्लहार नगर के निवासी हैं। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ थाना कोतवाली में मुकदमा संख्या 438/26, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 20 किलो 146 ग्राम गांजा और एक इनफिनिक्स नोट 50एस मोबाइल फोन बरामद किया है। बरामद गांजे की बड़ी मात्रा को देखते हुए पुलिस यह भी जांच कर रही है।

फास्ट न्यूज

बेटे के सुसाइड के बाद मुस्लिम पिता ने किया सरेंडर

आगरा में बीबीए छात्र ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। अब इस मामले में छात्र के पिता ने कोर्ट में सरेंडर किया है। छात्र की मां ने पति पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। आरोपी पिता को न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना 3 जून की रात वजीरपुरा (हरीपर्वत) थाना क्षेत्र में हुई थी।

सपा सुप्रीमो की बेटी पर अभद्र टिप्पणी

कानपुर। घाटमपुर में समाजवादी पार्टी (सपा) सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी पर पतारा की पूर्व ब्लॉक प्रमुख मीना संखवार ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा घबराई हुई है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख मीना संखवार ने भाजपा के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' नारे पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा अब खामोश क्यों है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

युवक की कुएं में गिरकर, मौत

इटावा। इटावा के भरथना थाना क्षेत्र के ग्राम पड़ियापुरा में रहने वाले 35 वर्षीय हरिओम उर्फ सीटू की कुएं में गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम छा गया। बताया जा रहा है कि हरिओम की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह पिछले काफी समय से तनाव में रहने लगा था। परिजनों का कहना है कि पिता द्वारा खेती और मकान बेच दिए जाने के बाद उसकी मानसिक परेशानी बढ़ गई थी।

फर्जी बिल से फर्म बनाकर टैक्स चोरी

राज्य कर जांच में 1.62 करोड़ का आईटीसी घोटाला, लोहामंडी थाने में एफआईआर दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा में राज्य कर की जांच में टोरंट का फर्जी बिल लगाकर फर्जी फर्म बनाने और उससे कर चोरी करने का मामला सामने आया है। कारोबारी ने एक अस्तित्वहीन फर्म का पंजीकरण कराया। बिना किसी माल की वास्तविक आपूर्ति किए केवल कागजों पर बिलों का आदान-प्रदान कर 1.62 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठा कर चोरी की। मामले में लोहामंडी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। राज्य कर खंड जीएसटी-2 के उपायुक्त विजय बहादुर ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि विभाग में यूबी इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म का पंजीकरण कराया गया था। इसका पता ग्वालियर रोड पर दर्शाया गया। फर्म संचालक उमेश कुमार व्यास ने वर्ष 2020 में ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके बाद वर्ष 2022 में पंजीकरण प्रभावी किया गया। फर्म में कॉपर के स्क्रैप की खरीद और बिक्री का काम होना दर्शाया गया था। विशेष अनुसंधान शाखा की ओर से जब पंजीकरण में दर्शाए गए नंबर पर बात करने की कोशिश की गई तो वह बंद पाए गए। दर्शाए गए पते पर फर्म स्वामी का भी अता-पता नहीं चल सका। इसके साथ ही टोरंट पावर कंपनी का जो बिल लगाया गया था उस पर सर्विस नंबर गलत था, इससे सत्यापन नहीं हो सका। फर्म का कोई कार्यालय और गोदाम भी नहीं दिखाया गया था।

जांच में सामने आया कि बोगस व अस्तित्वहीन फर्मों से बिना वास्तविक आपूर्ति प्राप्त किए केवल प्रपत्रों का आदान-प्रदान करते हुए खरीद (इनवर्ड सप्लाई) घोषित की गई है। इस बोगस इनवर्ड सप्लाई के सापेक्ष

अर्जित आईटीसी क्लेम की गई। बिना वास्तविक आपूर्ति के आईटीसी का दावा जीएसटी अधिनियम की धारा 16 के अंतर्गत अनुमन्य नहीं है। फर्म की ओर से इस प्रकार अनुचित रूप से प्राप्त की गई आईटीसी का उपयोग अपनी बिक्री (आउटवर्ड सप्लाई) की करदेयता के निस्तारण में किया गया है। इस प्रकार व्यापारी ने वित्तीय वर्ष 2021-2022 में 1,62,35,492 रुपये की राजस्व क्षति की। सुनियोजित तरीके से आईटीसी का अनुचित लाभ पहुंचाने और अनुचित रूप से प्राप्त की गई आईटीसी का उपयोग अपनी करदेयता के निस्तारण में करते हुए कर चोरी की गई है। एडीसीपी सिटी हिमांशु गौरव ने बताया कि मामले में साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में 67 करोड़ रुपए से बन रहा सर्किट हाउस

प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण, जनवरी 2027 तक पूरा करने का है लक्ष्य

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के प्रभारी मंत्री एवं बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने निर्माणाधीन उच्च स्तरीय सुविधाओं से युक्त सर्किट हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने परियोजना की लागत, निर्माण एजेंसी और कार्य की समय-सीमा की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सर्किट हाउस का निर्माण 67.40 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। निर्माण कार्य उत्तर

प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड की मैनपुरी इकाई द्वारा कराया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार सर्किट हाउस का निर्माण कार्य 10 अक्टूबर 2025 को शुरू हुआ था और इसे 9 जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लगभग 9,782.62 वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित हो रहे इस प्रोजेक्ट का अब तक 29 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। मंत्री संदीप सिंह ने निर्माण की प्रगति पर संतोष जताते हुए कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त श्रमिकों और संसाधनों का उपयोग कर परियोजना को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हो और संबंधित अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण कर इसकी निगरानी करें। अधिकारियों ने बताया कि निर्माणाधीन सर्किट हाउस में 2 वीवीआईपी रूम, 2 वीआईपी रूम, 10 जनरल रूम और 18 सिंगल-सीटर कमरे बनाए जा रहे हैं।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति को दिलाई शपथ

पक्षकार ने कहा- हस्ताक्षर अभियान चलाकर जुटाया जा रहा समर्थन

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह विवाद को लेकर चल रहा आंदोलन अब धार्मिक मंचों तक भी पहुंच रहा है। प्रसिद्ध भागवताचार्य इंद्रेश उपाध्याय की कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले के हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह ने श्रद्धालुओं के सामने प्रकरण की वर्तमान स्थिति और अपने पक्ष के दावों को रखा।

इस दौरान उन्होंने मौजूद श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति और मंदिर निर्माण का संकल्प भी दिलाया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अनुसार, अधिक मास के दौरान चलाए गए जनजागरण अभियान में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति और भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प दिलाया गया। न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने देशभर में

आयोजित दो दर्जन से अधिक भागवत कथा कार्यक्रमों में भाग लेकर श्रद्धालुओं के बीच अभियान का संदेश पहुंचाया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने एक स्वर में श्रीकृष्ण जन्मभूमि को मुक्त कराने का संकल्प लिया। कथा स्थलों पर ₹आ गए हैं अवध बिहारी, अब आएंगे कृष्ण मुरारी₹ जैसे उद्घोष भी सुनाई दिए। वृंदावन स्थित फोगला आश्रम में आयोजित कथा कार्यक्रम में कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय और उनके अनुयायियों ने भी इस संकल्प में भाग लिया।

आगरा में कहा- राम मंदिर के लोगों की जांच अधिकारी करेंगे, यह सनातन धर्म के लिए दुर्भाग्यपूर्ण

कैमरे बंद करिए, चढ़ावा खुद वापस आ जाएगा : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आगरा पहुंचे। राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी के सवाल पर उन्होंने कहा- हमारे धर्म और मंदिर के लोगों की जांच अधिकारी करेंगे, यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है। सनातन धर्म के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है। वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि योगी जी के चेलों के बयान पर कहा- उस विषय को मैं नहीं छेड़ना चाहता हूं, क्योंकि नकारात्मक पॉलिटिक्स बीजेपी करती है। वह इसके लिए करोड़ों रुपए खर्च करती है। इससे पहले अखिलेश ने व्यापारियों के साथ

संवाद किया। अखिलेश यादव ने कहा- आगरा के पेठा उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने की बात की। कहा- जब मैकडॉनल्ड्स और पिज्जा हट दुनिया के देशों तक पहुंच सकते हैं, तो आगरा का पेठा क्यों नहीं पहुंच सकता। साथ ही पीडीए की नई व्याख्या करते हुए कहा- पी से प्रेम, डी से दया और ए से अपनापन है। प्रदेश उतनी तेजी से आगे बढ़ेगायोगी जी के चेलों के बयान पर अखिलेश यादव ने कहा- उस विषय को मैं नहीं छेड़ना चाहता हूं।

पीडीए का मतलब प्रेम, दया और अपनापन भी है

अखिलेश यादव ने कहा- पीडीए केवल एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने का संदेश भी है। पीडीए का मतलब प्रेम, दया और अपनापन भी है। पी (P) से प्रेम, डी (D) से दया और ए (A) से अपनापन। उन्होंने कहा- समाज में जितना अधिक प्रेम, दया और अपनापन बढ़ेगा, उतनी ही सामाजिक एकता और भाईचारा मजबूत होगा। यही मूल्य समाज को आगे बढ़ाने और लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करते हैं।

> अखिलेश ने कहा कि प्रभु श्रीराम के चढ़ावे में कोई बात हुई है तो कैमरा बंद करके आपस में बातचीत कर लीजिए। कैमरा बंद करके, आंखें बंद करके जो चढ़ावा चोरी हुआ है, उसे वापस कर दो प्रभु श्रीराम माफ कर देंगे।

अखिलेश बोले- कितना दुर्भाग्य है कि हमारे धर्म और मंदिर के लोगों की जांच अधिकारी करेंगे

राम मंदिर के चढ़ावे पर चोरी के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा- कितना दुर्भाग्य है कि हमारे धर्म और मंदिर के लोगों की जांच अधिकारी करेंगे। सनातन धर्म के लिए इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है। प्रभु श्रीराम के चढ़ावे में कोई बात हुई है, तो कैमरा बंद करके आपस में बातचीत कर लीजिए। कैमरा बंद करके, आंखें बंद करके जो चढ़ावा चोरी हुआ है, उसे वापस कर दो प्रभु श्रीराम माफ कर देंगे, लेकिन अधिकारी जांच करेंगे। ये सनातन धर्म का अपमान है। इतने पवित्र और प्रतिष्ठित जगह की जांच अधिकारी करेंगे। ये सनातन धर्म पर चलने वाला कोई स्वीकार नहीं करेगा। वहां कैमरे बंद कर दो, लाइट बंद कर दो प्रभु श्रीराम के सामने अपने आप कोई चढ़ावा रख जाएगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान परमाणु ...

इसके बाद 60 दिनों तक परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों में राहत और होर्मुज स्ट्रेट के संचालन जैसे मुद्दों पर तकनीकी बातचीत होगी। भारत-अमेरिका के बीच जहाजों पर हमलों को लेकर तनावः भारत ने भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमलों को लेकर दूसरी बार अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। वहीं ट्रम्प ने आरोप लगाया कि ईरान ने भारतीय जहाजों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। ईरान ने यूरेनियम छिपाने के लिए सुरंगें बंद कीं: CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने इस्फहान परमाणु केंद्र में रखे हाईली एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने वाली कई सुरंगों को बंद कर दिया है और रास्तों पर विस्फोटक माइंस बिछा दी हैं। लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए इजराइली हमले के बाद ईरान ने अमेरिका की आलोचना की है। ईरानी संसद अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका या तो अपने वादे निभाने की इच्छा नहीं रखता या फिर उन्हें पूरा करने की क्षमता नहीं है। गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बेरूत के दाहियेह इलाके पर हुआ इजराइली हमला एक बार फिर दिखाता है कि अमेरिका अपने दायित्वों को पूरा करने में नाकाम रहा है। ईरान ने बेरूत पर हुए इजराइली हवाई हमलों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी सैन्य अधिकारी सरदार असदी ने कहा कि इजराइल के इन हमलों का जवाब दिया जाएगा और इन्हें बिना प्रतिक्रिया के नहीं छोड़ा जाएगा। ईरानी समाचार एजेंसी मिजान के अनुसार, खतम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के अधिकारी असदी ने कहा, ₹इन अपराधों का जवाब जरूर दिया जाएगा। उनका यह बयान बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर इजराइल के हालिया हमलों के बाद आया है। ओमान तट के पास एक कमर्शियल जहाज के इंजन में खराबी आने के बाद उस पर सवार 11 भारतीय क्रू मेंबरों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को इसकी जानकारी दी। दूतावास के मुताबिक जहाज समुद्र में इंजन फेल होने के कारण फंस गया था। इसके बाद राहत एवं बचाव अभियान चलाया गया, जिसमें 11 भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। भारतीय दूतावास ने बताया कि तीन अन्य लोगों को बचाने के प्रयास अभी जारी हैं। दूतावास ओमान के संबंधित अधिकारियों और बचाव एजेंसियों के संपर्क में है तथा स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। ईरान के सरकारी मीडिया IRIB ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट से किसी भी देश के जहाज को गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी सेना ने चार जहाजों को रोक दिया, जो होर्मुज से गुजरने की कोशिश कर रहे थे। IRIB के अनुसार, इन जहाजों पर अमेरिकी सेना जैसी 'आतंकवादी और समुद्री डाकू जैसी गतिविधियां' करने का आरोप लगाया गया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि होर्मुज में आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अमेरिका के साथ संभावित समझौते को लेकर ईरान में विरोध तेज हो गया है। कट्टरपंथी गुटों, रूढ़िवादी नेताओं और सरकारी मीडिया के कुछ वर्गों का कहना है कि यह समझौता ईरान के लिए झुकने जैसा कदम होगा और इससे युद्ध के दौरान हासिल फायदे कमजोर पड़ जाएंगे। विरोधी गुटों ने रविवार को विदेश मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन की भी तैयारी की है।

युद्धस्तर पर चलाएं ...

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए और उन पर तुरंत काम शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि जून के अंत तक सभी जरूरी स्वीकृतियां पूरी कर ली जाएं और इसके बाद बिना देरी शिलान्यास कर कार्य शुरू किया जाए, ताकि जनता को सीधा लाभ मिल सके। सीएम योगी ने निर्माण कार्यों की निगरानी पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करें और तकनीक के माध्यम से ऑनलाइन मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाए।उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए और हर स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान, सांसद रवि किशन, विजय दुबे, कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम सहित गोरखपुर और आजमगढ़ मंडल के कई विधायक एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मोदी-मैक्रों ने की...

पीएम मोदी 13 जून से फ्रांस-स्लोवा-किया के 6 दिन के दौरे पर हैं। वे 17 जून को फ्रांस के एवियान में G7 समिट में शामिल होंगे। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलेंगे। दोनों नेताओं के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। जरूरतों के हिसाब से इन विमानों पर मिसाइलें और अन्य हथियार लगाने के लिए सोर्स कोड को लेकर भी भारत अपना रुख स्पष्ट करेगा। मोदी कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (CCS) ने अभी तक इस डील पर मुहर नहीं लगाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 दिनों के फ्रांस और स्लोकाबिया दौरे पर हैं। वे भारतीय समयानुसार शनिवार रात फ्रांस पहुंचे थे। होटल में भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया। पीएम बनने के बाद उनकी यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। पीएम का फ्रांस दौरा दो फेज में होगा। इस दौरान 3 शहरों- नीस, एवियान और पेरिस जाएंगे। पीएम 14 जून की शाम में स्लोवाकिया जाएंगे और 15 जून तक रुकेंगे। इस दौरान स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रोबर्ट फिको और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रीनी से मुलाकात करेंगे। 1993 में स्लोवाकिया के आजाद देश बनने के बाद किसी भारतीय पीएम का यह पहला दौरा है। 16 जून को पीएम वापस फ्रांस आएंगे। 16 से 17 जून को एवियान में G7 समिट में हिस्सा लेंगे। 17 जून को G7 समिट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से द्विपक्षीय मुलाकात होगी। मोदी और ट्रम्प 16 महीने बाद मिलेंगे। दोनों आखिरी बार फरवरी 2025 में वॉशिंगटन में मिले थे। ट्रम्प से मुलाकात के बाद मोदी 18 जून को पेरिस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक सम्मेलन में जाएंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को लेकर बड़ा फैसला हो सकता है। ब्रिटेन की अगुवाई में अप्रैल में हुई पेरिस वार्ता में भारत शामिल हुआ था। होर्मुज खोलने को लेकर भारत किसी एक देश की पहल पर होने वाली सुरक्षा व्यवस्था के बजाए संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अनुकूल बहुपक्षीय सुरक्षा व्यवस्था के हक में है। ऐसे में भारत फ्रांस और ब्रिटेन की पहल के साथ कदम मिलाते हुए होर्मुज रक्षा गठबंधन में शामिल होने पर सहमति दे सकता है।

बागी टीएमसी सांसदों ...

बल्कि नेतृत्व और संगठन से होती है। नेताओं ने ममता बनर्जी को पार्टी का संस्थापक और असली नेतृत्व बताया। रिपोर्ट के अनुसार, TMC के पास पहले 28 लोकसभा सांसद थे, जिनमें से 20 सांसदों के अलग गुट में जाने की बात कही जा रही है। इसके बाद पार्टी के पास केवल 8 सांसद बचे होने का दावा किया जा रहा है। राज्यसभा में भी स्थिति बदलती दिख रही है। 13 सांसदों में से 4 के इस्तीफा देने की बात सामने आई है, जिससे संख्या घटकर 9 रह गई है। विधानसभा स्तर पर भी राजनीतिक समीकरण बदलते बताए जा रहे हैं। इस चुनाव में TMC ने 80 सीटें जीती थीं, जिनमें से 58 विधायक अलग गुट में जाने का दावा किया जा रहा है। इसके बाद पार्टी के पास सिर्फ 22 विधायक बचे होने की बात कही जा रही है।

कॉकरोच जनता ...

CJP के संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थक पिछले 9 दिनों में देश के 6 शहरों में विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं। इस अभियान की शुरुआत 6जून को दिल्ली के जंतर-मंतर से हुई थी। इसके बाद 11 जून को पुणे, 12 जून को लखनऊ, 13 जून को अमृतसर और अब 15 जून को बेंगलुरु और हैदराबाद में प्रदर्शन किया गया। हैदराबाद में ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा, यह शिक्षा मंत्री बनने या कोई पार्टी बनाने का आंदोलन नहीं है।

स्कॉटलैंड ने 44 साल बाद जीता पहला मैच, ग्रुप सी में टॉप पर, ब्राजील की टीम 1934 के बाद से अपना ओपनिंग मैच नहीं हारी है

फीफा वर्ल्ड कप : ब्राजील को मोरक्को ने ड्रॉ पर रोका

खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की 7वें नंबर की टीम मोरक्को ने रविवार को फुटबॉल वर्ल्ड कप में 5 बार की चैंपियन ब्राजील को ड्रॉ पर रोका। ब्राजील की टीम 1934 के बाद से अपना ओपनिंग मैच नहीं हारी है।

ग्रुप-सी के इस मुकाबले में 2022 की सेमीफाइनलिस्ट मोरक्को ने इस्माइल साइबारी के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, स्टार फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर के शानदार गोल से ब्राजील ने वापसी कर एक अंक हासिल किया। इसी ग्रुप के दूसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने हैती को 1-0 से हराया। बूस्टन स्टेडियम में 28वें मिनट में जॉन मैक्गिन ने गोल दागा। यह निर्णायक गोल साबित हुआ। स्कॉटलैंड ने 44 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है।

विनिसियस जूनियर ने करियर का 10वां इंटरनेशनल गोल दागा है।

यह पहली बार है, जब विनिसियस जूनियर ने ब्राजील के लिए गोल किया और टीम जीत नहीं सकी है। इससे पहले विनिसियस ने आठ मैचों में ब्राजील के लिए गोल दागे, उन सभी में टीम को जीत मिली।

ब्राजील ने वर्ल्ड कप के पहले मैचों में अपना 21 मैचों का अपराजित क्रम बरकरार रखा। ब्राजील आखिरी बार 1934 में स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप का पहला मैच हारा था। इस दौरान उसने 17 जीत दर्ज की हैं। स्कॉटलैंड को फुटबॉल वर्ल्ड कप में 36 साल बाद जीत मिली है। पिछली जीत 1990 में मिली थी। इतना ही नहीं, स्कॉटलैंड ने 1982 के बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच जीता था। इससे पहले टीम ने 1982 फीफा वर्ल्ड कप (स्पेन) में न्यूजीलैंड को 5-2 से हराया था। गोल खाने के बाद हैती ने वापसी की कोशिश की। रुबेन प्रोविडेंस ने शानदार मौका बनाया, लेकिन स्कॉटलैंड के गोलकीपर एंगस गन ने खतरा टाल दिया।

> स्कॉटलैंड ग्रुप-सी के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है। मोरक्को दूसरे और ब्राजील तीसरे स्थान पर है। स्कॉटलैंड के 3 अंक हैं, जबकि ब्राजील और मोरक्को के एक-एक अंक हैं। हैती हार के बाद सबसे निचले स्थान पर है।

साइबारी के गोल से मोरक्को को बढ़त मिली

मोरक्को ने अटैकिंग शुरुआत की और 21वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। नुसैर मजराउई ने ब्राजील के मिडफील्डर लुकास पाकेटा से गेंद छिनने के बाद ब्राहिम डियाज को पास दिया। फिर डियाज की शानदार थ्रू बॉल पर इस्माइल साइबारी ने दौड़ लगाई और गोलकीपर एलिसन बेकर के ऊपर से गेंद चिप करते हुए गोल दाग दिया।

विनिसियस जूनियर ने बराबरी का गोल दागा

ब्राजील ने 11 मिनट बाद जवाब दिया। 32वें मिनट में विनिसियस जूनियर ने ब्रूनो गिमारेस के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाया। बाएं फ्लैंक से अंदर की ओर बढ़ते हुए उन्होंने जोरदार राइट फुट शॉट लगाया, जो मोरक्को के गोलकीपर यासीन बूनू को छकाते हुए गोल में चला गया। यह विनिसियस के इंटरनेशनल करियर का 10वां गोल है।

मैक्गिन का किक डिफ्लेक्ट होकर गोल में गया

दोनों टीमों ने आक्रामक शुरुआत की। स्कॉटलैंड के स्कॉट मैकटॉमिने ने शुरुआती मिनटों में एक हेडर बाहर मारा और फिर उनका शॉट पोस्ट से टकराकर लौट आया। 29वें मिनट में चे एडम्स ने बेन गैनन-डोक को पास दिया। उनके क्रॉस को हैती के डिफेंडर्स ने रोका, लेकिन गेंद बॉक्स के बाहर खड़े जॉन मैक्गिन के पास पहुंच गई। मैक्गिन ने जोरदार शॉट लगाया, जो डिफ्लेक्शन के बाद गोल में चला गया। ब्राजील इस वर्ल्ड कप में 2002 के बाद पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरा है, हालांकि टीम को अपने स्टार खिलाड़ी नेमार की कमी खली, जो पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और इस मुकाबले में नहीं खेले।

फुटबॉल वर्ल्डकप के बीच ईरानी ट्रेनिंग-बेस के बाहर शव मिला

टीम ने कैंप अमेरिका से मेक्सिको शिफ्ट किया था कल न्यूजीलैंड से पहला मैच

तिजुआना (मेक्सिको), एजेंसी

फुटबॉल वर्ल्ड कप के दौरान ईरान फुटबॉल टीम के ट्रेनिंग बेस के पास कार से शव मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस ने स्टेडियम के बाहर खड़ी कार की डिक्की से शव बरामद कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को मेक्सिको के तिजुआना के एस्टाडियो कैलिएंते स्टेडियम के सामने स्थित पार्किंग एरिया में खड़ी एक ग्रे रंग की कार से तेज दुर्गंध आने पर पुलिस ने उसकी जांच की। कार की डिक्की खोलने पर उसमें एक बैग के अंदर शव मिला। एक दिन पहले फ्लोरिडा में प्री-टूर्नामेंट कैंप के दौरान इंग्लैंड की फुटबॉल टीम का सामना चोरी हो गया था, जिसे कैंसास पुलिस ने ढूंढ निकाला है। पुलिस ने करीब 15 लाख रुपए के सामान की रिकवरी की है। 23 मई को ईरान की फुटबॉल टीम वीजा में देरी और टीम प्रबंधन से जुड़े कुछ यात्रा प्रतिबंधों के कारण वर्ल्ड कप के दौरान तिजुआना को अपना अस्थायी बेस कैंप बनाया था। टीम अगले सप्ताह न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच खेलने के लिए लॉस एंजिलिस रवाना होगी।

ईरान फुटबॉल टीम के 15 प्रतिनिधियों को अमेरिका का वीजा नहीं मिला था, जिनमें से 4 की अपील मंजूर हो गई है, जबकि 11 सदस्य अब भी अमेरिका नहीं जा सकेंगे।

अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी फैंस के लिए ग्रुप-स्टेज निर्धारित टिकट का आवंटन रद्द कर दिया था। हालांकि, फीफा ने कहा है कि वे ईरानी फैंस को मैच देखने के ज्यादा मौके दिलाने का प्रयास कर रहे हैं।

ईरान वर्ल्ड कप में ग्रुप-जी का अपना पहला मैच 15 जून को कैलिफोर्निया के इंग्लेवुड में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा। इसके 6 दिन बाद वह इसी स्थान पर बेल्जियम से भिड़ेगा। टीम ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में 26 जून को सिएटल में मिस्र का सामना करेगी। ईरानी टीम ने 7वीं बार फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है। टीम अब तक सिर्फ 3 मैच जीत सकी है।

बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे किए, गिल वनडे में 3 हजार रन बनाने वाले फास्टेस्ट इंडियन

सहवाग के क्लब में शामिल हुए रोहित शर्मा

धर्मशाला, एजेंसी

भारत ने पहले वनडे में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। धर्मशाला में कप्तान शुभमन गिल ने 84 रन की पारी खेली। वे वनडे में सबसे तेज 3 हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। वहीं, रोहित शर्मा ने बतौर ओपनर इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे किए। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग ने यह कारनामा किया था।

रोहित ने इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर ओपनर 16 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 16 रन की पारी के दौरान छठा रन बनाते यह अचीवमेंट हासिल किया। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय और दुनिया के 7वें बल्लेबाज बन गए। श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 19,298 रन बनाए हैं। गुरबाज ने भारत के खिलाफ सिर्फ 48 गेंदों में शतक जड़ा। यह वनडे क्रिकेट में किसी भी अफगानिस्तानी बल्लेबाज का सबसे तेज शतक था। गुरबाज ने मोहम्मद शहजाद का 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने 2010 में स्कॉटलैंड के खिलाफ 72 गेंद में शतक जड़ा था।

> रोहित भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 39 साल और 44 दिन की उम्र में मैच खेला। रोहित से पहले पूर्व ऑलराउंडर मोहिंदर अमरनाथ ने 1989 में 39 साल और 36 दिन की उम्र में वनडे मैच खेला था।

गुरबाज ने वनडे में अपना 9वां शतक जड़ा। वे 50 ओवर के फॉर्मेट में अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इब्राहिम जादरान और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद शहजाद के नाम 6-6 वनडे शतक दर्ज हैं। गुरबाज वनडे में सबसे बेहतरीन कन्वर्जन रेट (56.25%) वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 9 शतक लगाए हैं। दूसरे नंबर पर स्कॉटलैंड के कैलम मैकलियोड हैं, जिन्होंने 43.48% कन्वर्जन रेट से 10 शतक लगाए हैं। इस लिस्ट में वे खिलाड़ी शामिल हैं, जिन्होंने वनडे में कम से कम 7 शतक लगाए हैं। गुरनूर बरार ने अफगानिस्तान के खिलाफ 4.5 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिए। यह डेब्यू वनडे में किसी भारतीय का चौथा बेस्ट प्रदर्शन है। पहले स्थान पर तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं, जिन्होंने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ पुणे में 54 रन देकर 4 विकेट लिए थे।

रोहित शर्मा 283 वनडे खेल चुके हैं।

> भारत के खिलाफ गुरबाज ने 48 गेंद में शतक जड़ा। वे भारत के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले स्थान पर पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी हैं। उन्होंने 2005 में कानपुर में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंद में शतक लगाया था।

गिल ने 62 पारियों में 3 हजार वनडे रन बनाए

गिल ने वनडे में 3,000 रन पूरे किए। वे सबसे कम पारियों में इस आंकडे. तक पहुंचने वाले पहले भारत और दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बने। गिल ने महज 62 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया। साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला पहले नंबर पर हैं। उन्होंने सिर्फ 57 पारियों में यह कारनामा किया था।

मनोरंजन

गले मिलकर आमिर ने एब्स छुए, दोनों ने साथ में तस्वीर भी क्लिक करवाई

सलमान खान पार्टी में नए लुक में दिखे

नई दिल्ली। आमिर खान की फिल्म 'लगान' के 25 साल पूरे होने और 'आमिर खान प्रोडक्शंस' की 25वीं सालगिरह के मौके पर मुंबई में एक सेलिब्रेशन इवेंट हुआ। शनिवार को इस इवेंट में सलमान खान, करीना कपूर और रेखा समेत बॉलीवुड के कई बड़े सेलेब्स पहुंचे।

इवेंट में सलमान खान नए अल्ट्रा-शॉर्ट हेयर लुक में पहुंचे, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। सोशल मीडिया पर उनके इस लुक की तुलना फिल्म 'तेरे नाम' के हेयरस्टाइल से की जा रही है। सेलिब्रेशन के दौरान जब आमिर और सलमान पोज दे रहे थे, तब पैपराजी लगातार उन्हें कैमरे की तरफ देखने के लिए कह रहे थे। इस पर सलमान ने मजेदार रिएक्शन दिया। सलमान का रिएक्शन देखकर आमिर खान भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। फिल्म में आमिर खान के अलावा ग्रेसी सिंह, पॉल ब्लैकथॉर्न और राहेल शेली ने अहम भूमिकाएं निभाईं। ए.आर. रहमान का म्यूजिक और जावेद अख्तर के गीत भी काफी लोकप्रिय हुए।

> इस दौरान आमिर खान के साथ 'लगान' की टीम भी मौजूद थी। इवेंट में काजोल, जूही चावला, रेखा, किरण राव, आमिर खान की बेटी इरा खान और उनके दामाद समेत कई सेलेब्स शामिल हुए।

लगान के 25 साल पूरे

आमिर खान की फिल्म 'लगान' भारतीय सिनेमा की सबसे फेमस फिल्मों में गिनी जाती है। साल 2001 में रिलीज हुई इस फिल्म का डायरेक्शन आशुतोष गोवारिकर ने किया था, जबकि आमिर खान इसके मेन लीड और को-प्रोड्यूसर थे। फिल्म की कहानी ब्रिटिश शासन काल के दौरान चंपानेर गांव की है। सूखे और भारी कर से परेशान ग्रामीणों के लिए भुवन नाम का युवक अंग्रेज अधिकारी कैप्टन रसेल की क्रिकेट चुनौती स्वीकार करता है। शर्त यह होती है कि जीत मिलने पर तीन साल का लगान माफ होगा, जबकि हारने पर तीन गुना कर देना पड़ेगा।

सीएम सैनी ने कंगना रनोट संग देखी बीबीवी मूवी

मुख्यमंत्री ने हरियाणा में टैक्स-फ्री की घोषणा की

तमसा संकेत, एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार शाम को अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट के साथ उनकी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता का देखी। मुख्यमंत्री ने हरियाणा में इस फिल्म को टैक्स फ्री करने की घोषणा भी की। सीएम के साथ धर्मपत्नी सुमन सैनी, कई कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक मौजूद रहे। बता दें कि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री सैनी और कंगना की दिल्ली में मुलाकात हुई थी। इस दौरान दोनों के बीच फिल्म और विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई थी। सूत्रों के अनुसार, उसी मुलाकात के दौरान फिल्म के विशेष प्रदर्शन को लेकर भी चर्चा हुई थी। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में कंगना रनोट मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म देशभक्ति, नेतृत्व और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर आधारित बताई जा रही है। रिलीज के बाद फिल्म को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा बनी हुई है। मुख्यमंत्री सैनी का यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल के वर्षों में हरियाणा सरकार राज्य में फिल्म निर्माण और मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई पहल कर चुकी है। ऐसे में मुख्यमंत्री का किसी फिल्म के विशेष प्रदर्शन में शामिल होना सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के नजरिए से भी देखा जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि कंगना रनोट न केवल फिल्म जगत की चर्चित हस्ती हैं, बल्कि सांसद होने के कारण उनकी राजनीतिक पहचान भी मजबूत हुई है।

37 साल बाद सलमान की हीरोइन ने किया खुलासा

छोटी ड्रेस पहनने के लिए डायरेक्टर ने भाग्यश्री डाला था दबाव

> भाग्यश्री ने छोटी ड्रेस पहनने से किया था मना
> डायरेक्टर के लाख मनाने पर भी नहीं मानीं
> इस ब्लॉकबस्टर फिल्म से जुड़ा है किस्सा

नई दिल्ली। सलमान खान की पहली लीड हीरोइन भाग्यश्री को भला कौन नहीं जानता। 90 के दशक में अपनी शानदार अदाकारी और बेबाक खूबसूरती के दम पर फैंस के दिलों पर राज करने वालीं भाग्यश्री ने हाल ही में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है।

भाग्यश्री ने बताया है एक फिल्म में शॉर्ट ड्रेस पहनने के लिए डायरेक्टर ने उन्हें बार-बार फोर्स किया था, लेकिन एक्ट्रेस ने ऐसा करने से साफ मना कर दिया था। क्या है पूरा मामला आइए जानते हैं-

कई बार इनकार करना भी, सीन को बेहतर बना सकता है। ऐसा ही कुछ हुआ था मैंने प्यार किया फिल्म के गाने मेरे रंग में रंगने वाली... गाने के दौरान भी। उस गाने में प्रेमिका का बर्थडे मना रहे सलमान खान का पात्र प्रेम अपनी प्रेमिका सुमन के लिए कई ड्रेस लेकर आता है, जिसमें से एक छोटी ड्रेस भी होती है। उस ड्रेस को पहनने से सुमन का रोल निभाने वाली अभिनेत्री भाग्यश्री ने मना कर दिया था,

जिसके बाद फिल्म के निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरा सीन ही बदल दिया था। भाग्यश्री उस फिल्म को याद करते हुए वैराइटी इंडिया को इंटरव्यू देते हुए अभिनेत्री ने कहा है- सूरज जी ने कहा कि पूरी फिल्म तुम्हारे अनुसार बनने वाली है, बस एक ड्रेस पहन सकती हो, क्योंकि ये ड्रेस पहने का मतलब होगा कि वह अपने प्रेमी पर भरोसा कर रही है। मैंने कहा, मैं नहीं पहनूंगी। फिर सूरज जी ने मुझे हेमा (मालिनी) जी का क्रांति फिल्म का गाना जिंदगी की ना टूटे लड़ी... दिखाया और कहा कि हेमा जी ने स्कर्ट पहनी है, जो उनके घुटनों तक है। उन्होंने पहना, तो तुम नहीं पहन सकती हो।

मैंने कहा- नहीं। आज लगता है कि एक छोटे से बदलाव ने सीन को कितना यादगार बना दिया है। मैंने कहा कि अगर वह प्रेमी पर भरोसा करती है तो वह ड्रेस केवल उसे दिखाएगी, दुनिया को नहीं। सूरज जी ने कहा, हां इस सीन का मतलब बनता है। आज के दौर में भी बतौर लीड एक्ट्रेस भाग्यश्री सिनेमा जगत में एक्टिव हैं।

21 साल की युवती की मौत, पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लिया, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी

ब्राजील : बंजी जम्पिंग के दौरान रस्सी बांधे बिना फेंका

घटना

ब्राजिलिया, एजेंसी

ब्राजील के साओ पाउलो राज्य में बंजी जंपिंग के दौरान एक हादसे में 21 साल की युवती की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्मचारियों ने युवती को सेफ्टी रोप लगाए बिना ही पुल से छलांग लगवा दी, जिससे वह 130 फीट से ज्यादा गहराई में जा गिरी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक युवती की पहचान मारिया एडुआर्डा रोड्रिग्स डी फ्रेटास के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी की ओर से आयोजित बंजी जंपिंग एक्टिविटी में हिस्सा लेने पहुंची थी।

कर्मचारियों ने मारिया एडुआर्डा को सेफ्टी रोप बांधे बिना ब्रिज से नीचे फेंक दिया।

यह हादसा स्केलेटन ब्रिज पर हुआ।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि कर्मचारी युवती को पुल के किनारे लेकर जाते हैं और उसे नीचे छोड़ देते हैं। जैसे ही वह गिरने लगती है, वहां मौजूद लोगों को एहसास होता है कि उसकी सेफ्टी रोप नहीं बंधी है। वीडियो में कई लोग जोर से चिल्लाते सुनाई देते हैं, रोप... रोप..., लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और युवती गहरी खाई में गिर चुकी थी। पुलिस ने घटना के बाद मौके से छह लोगों को हिरासत में लिया है। बंजी जंपिंग एक एडवेंचर स्पोर्ट है, जिसमें व्यक्ति को किसी ऊंचे पुल, टावर, क्रेन या चट्टान से एक खास तरह की मजबूत और लचीली इलास्टिक रोप के सहारे छलांग लगानी होती है। जंप से पहले व्यक्ति के पैरों या पूरे शरीर पर हार्नेस लगाया जाता है और उसे बंजी रोप से जोड़ा जाता है।

मारिया ने हादसे से पहले अपनी तस्वीरें शेयर की थी

हादसे से कुछ समय पहले मारिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जंपिंग स्थल की तस्वीरें शेयर की थीं। एक तस्वीर में पुल और उसकी जंपिंग रिस्टबैंड दिखाई दे रही थी। तस्वीर के साथ उसने लिखा था, आखिर किस पागल इंसान ने मुझे पुल से छलांग लगाने आने दिया? रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे के समय मारिया का मंगेतर भी वहां मौजूद था। युवती की मौत की जानकारी मिलने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसका ट्रीटमेंट किया गया।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

इस हादसे के बाद एडवेंचर टूरिज्म स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लिमेरा के मेयर मुरिलो फ्लिक्स ने कहा कि सिटी एडमिनिस्ट्रेशन इस मामले की शिकायत ब्राजील की सरकार से करेगा और सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग करेगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जोखिम वाले इस क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं और अब जिम्मेदारी तय करना जरूरी है। पुलिस जांच कर रही है कि सेफ्टी प्रोसेस में कहां चूक हुई, कर्मचारियों की क्या जिम्मेदारी थी और क्या बंजी जंपिंग से पहले तय सभी सुरक्षा नियमों का पालन किया गया था।

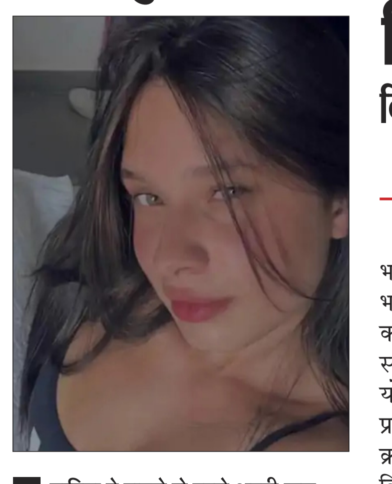

मारिया ने हादसे से पहले अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

डॉक्टर परवीन को मिला ब्रिटेन का प्रतिष्ठित सम्मान

किंग चार्ल्स तृतीय की बर्थडे आनर्स सूची में शामिल

दिल्ली, एजेंसी

स्वास्थ्य क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने वाली भारतवंशी डॉक्टर परवीन कुमार को वैश्विक चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान के लिए ब्रिटेन के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक 'ग्रैंड क्रास ऑफ द आर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' से सम्मानित किया गया है।

उन्हें किंग चार्ल्स तृतीय की वार्षिक 'बर्थडे आनर्स' सूची में स्थान दिया गया है। शुक्रवार रात ब्रिटेन के कैबिनेट कार्यालय द्वारा जारी सम्मान सूची में भारतीय मूल के करीब 35 चिकित्सकों, उद्यमियों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं को भी स्थान दिया गया।

इस सूची में परवीन कुमार का नाम शामिल है। 'क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन' की प्रोफेसर परवीन के सम्मान पत्र में कहा गया, उन्होंने 'कुमार एंड क्लार्क्स क्लीनिकल मेडिसिन' नाम की पुस्तक का सह लेखन किया।

'रायल मेडिकल बेनेवोलेंट फंड' की अध्यक्ष के तौर पर परवीन ने एक लाख पाउंड जुटाए और मुश्किल में फंसे चिकित्सकों के लिए हेल्पलाइन शुरू करने में मदद की। 'रायल सोसाइटी ऑफ मेडिसिन' की अध्यक्ष रहते हुए परवीन ने 'ग्लोबल हेल्थ' पहल की शुरुआत की।

फास्ट न्यूज

टाटा की आईफोन-पार्ट्स फैक्ट्री पर प्रदूषण फैलाने का आरोप

नई दिल्ली। तमिलनाडु पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने आरोप लगाया है कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की आईफोन कंपोनेंट्स फैक्ट्री से निकलने वाले गंदे पानी (वेस्टवाटर) ने पास के खेतों के भूजल यानी ग्राउंडवाटर को दूषित कर दिया है। रेगुलेटर ने कंपनी को चेतावनी दी है कि अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो फैक्ट्री की बिजली काट दी जाएगी और इसे जबरन बंद कर दिया जाएगा।

भ्रामक दावे करने पर इमामी सहित 8 कंपनियों को नोटिस

नई दिल्ली। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने रविवार को देश की 8 बड़ी फूड कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन कंपनियों पर अपने प्रोडक्ट्स के ब्रांड नाम, ट्रेड नाम और विज्ञापनों में उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले दावे करने का आरोप है। रेगुलेटर ने साफ किया है कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत ऐसे भ्रामक नाम रखना सख्त प्रतिबंधित है। बाजार में कई कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स को बेचने के लिए ऐसे ब्रांड नाम या ट्रेड नेम का इस्तेमाल कर रही हैं, जो ग्राहकों को गलत जानकारी देते हैं।

'जीनियस लोग पैदा करें ज्यादा बच्चे'

वाशिंगटन। दुनिया के पहले ट्रिलियनियर और स्पेस एक्सप्लो-रेशन के प्रणेता एलन मस्क इन दिनों पैसे से ज्यादा आबादी बढ़ाने (प्रोनैटलिज्म) को लेकर चर्चा में हैं। मस्क का मानना है कि दुनिया के समझदार लोगों को ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए और इसके लिए वे स्पर्म डोनेशन को एक बेहतरीन जरिया मानते हैं। हालांकि, उनकी इस 'मस्कियन सोच' के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन देशों के कड़े कानून हैं जहां स्पर्म डोनर की पहचान गुप्त रखी जाती है।

एफपीआई ने 15-दिन में भारतीय बाजार से 62,853 करोड़ निकाले

2026 में अब तक 2.87 लाख करोड़ की बिकवाली

मुंबई, एजेंसी

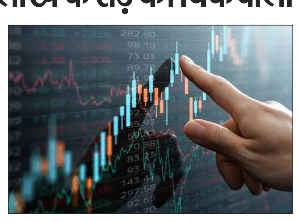

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) ने जून के पहले 15 दिनों में भारतीय शेयर बाजार से 62,853 करोड़ से ज्यादा की निकासी की है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) के आंकड़ों के मुताबिक, इस ताजा निकासी के साथ साल 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी से कुल विदेशी फंड की निकासी 2.87 लाख करोड़ पर पहुंच गई है।

यह आंकड़ा साल 2025 के पूरे कैलेंडर ईयर के दौरान निकाली गई 1.66 लाख करोड़ की रकम से कहीं ज्यादा है। विदेशी निवेशकों की इस लगातार बिकवाली के पीछे बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव, वैश्विक आर्थिक ग्रोथ को लेकर चिंताएं और डॉलर के मुकाबले रुपए की लगातार कमजोरी मुख्य वजहें हैं।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रिंसिपल मैनेजर रिसर्च, हिमांशु श्रीवास्तव ने विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के पीछे के मुख्य कारणों को स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, निवेशक इस समय प्रमुख केंद्रीय बैंकों के ब्याज दरों के भविष्य, जियोपॉलि-टिकल घटनाक्रमों और वैश्विक विकास को लेकर बनी अत्यधिक अनिश्चितता के माहौल से गुजर रहे हैं। सेफ एसेट्स की तरफ रुझानः ऐसे अनिश्चित दौर में उभरते बाजारों में अक्सर स्ट्रैटेजिक डी-रिस्किंग देखी जाती है। निवेशक सुरक्षा की तलाश में पोर्टफोलियो को विकसित बाजारों और सुरक्षित संपत्तियों की तरफ रीबैलेंस करते हैं।

ईरान बोला- समझौते की कोई तारीख तय नहीं, होर्मुज में नए नियम लागू करेंगे

ट्रम्प का दावा : आज शांति समझौता होगा

तेल अवीव, एजेंसी

ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान के साथ रविवार को शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने वाले हैं। इसके तुरंत बाद होर्मुज स्ट्रेट सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा। साथ ही हालात सामान्य होने के बाद अमेरिका ईरान का एनरिच्ड यूरेनियम निकालकर खत्म करेगा।

उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर यह प्रोसेस सफल नहीं हुई तो अमेरिका के पास आखिरी विकल्प भी मौजूद है, जिसे वह दोबारा इस्तेमाल नहीं करना चाहता।

हालांकि, ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता रविवार को साइन नहीं होगा। यह समझौता अगले कुछ दिनों में हो सकता है, लेकिन अभी इसकी तारीख तय नहीं है।

प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने यह भी कहा कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए नए नियम लागू कर रहा है। आगे चलकर होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से वहां दी जाने वाली सेवाओं के बदले टैक्स लिया जा सकता है। ट्रम्प का दावा- रविवार को शांति समझौता होगाः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों के बीच रविवार को समझौता होगा और इसके बाद होर्मुज स्ट्रेट सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा। ईरान ने ट्रम्प के दावे पर सवाल उठाएः ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रविवार को समझौते पर हस्ताक्षर नहीं होंगे। बातचीत जारी है, लेकिन अभी कोई अंतिम तारीख तय नहीं हुई है।

साइबर हमले से ईरान के 4 बड़े बैंकों की सेवाएं प्रभावित

ईरान के बैंकिंग कोऑर्डिनेशन काउंसिल ने बताया कि साइबर हमले के कारण देश के चार बड़े बैंकों की कुछ सेवाएं प्रभावित हुई हैं। हमले का निशाना मेली बैंक, तेजरात बैंक, सदरात बैंक और ईरान की एक्सपोर्ट डेवलप्मेंट बैंक का साझा संचार नेटवर्क बना। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा उपाय लागू किए जाने के कारण कुछ बैंकिंग सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुईं। काउंसिल ने कहा कि ग्राहकों के डेटा तक कोई अनधिकृत पहुंच नहीं हुई और न ही कोई जानकारी नष्ट की गई है। सामान्य सेवाएं बहाल करने के लिए तकनीकी टीमें काम कर रही हैं।

ओमान के पास भारतीयों से भरी नाव डूबी, सभी 14 लोग सुरक्षित

भारतीय नौसेना को अमेरिकी नौसेना से मिली जानकारी के मुताबिक, 14 भारतीयों को लेकर जा रही नाव 'MSV विराट 1' रविवार को ओमान तट के पास डूबने लगी।

इसके बाद सभी 14 भारतीय सुरक्षित रूप से बचाव नौका में पहुंच गए हैं और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, सूचना मिलते ही भारतीय नौसेना के जहाजों को घटनास्थल की ओर रवाना किया गया। अमेरिकी नौसेना के P-8 विमान ने मौके पर बचाव नौका गिराई और चालक दल के उसमें सवार होने की निगरानी की।

फंडिंग की जांच व अधूरा निर्माण गिराने की मांग, 2025 में शुरू हुआ था प्रोजेक्ट

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों के दबाव में राम-प्रतिमा का प्रोजेक्ट रुका

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के गैबांधा जिले में 82 फीट ऊंची राम प्रतिमा का प्रोजेक्ट कट्टरपंथी दबाव के बाद रोक दिया गया है। यह प्रतिमा श्री श्री राधा गोबिंद और काली मंदिर परिसर में बन रही थी। मंदिर समिति ने इसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए अस्थायी रोक बताया है, लेकिन इसकी असली वजह कट्टरपंथी संगठनों का दबाव बताया जा रहा है।

प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे कट्टरपंथी संगठनों ने अधूरी संरचना गिराने तक की मांग की है। इमाम-उलमा परिषद ने प्रोजेक्ट पूरी तरह रद्द करने, भविष्य में ऐसी किसी पहल पर रोक लगाने और फंडिंग की जांच कराने की मांग रखी है।

बता दें कि यह निर्माण 2025 की शुरुआत में निजी फंडिंग से शुरू हुआ था। परिसर में पहले से 100 से ज्यादा देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। इनमें 30 फीट की शिव प्रतिमा और 53 फीट की कृष्ण प्रतिमा भी शामिल है। राम प्रतिमा को एशिया की सबसे बड़ी राम प्रतिमा के रूप में पेश किया जा रहा था। इस परियोजना पर 17 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होने थे।

अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों पर 2,839 हमले हुए हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के अनुसार, 4-20 अगस्त 2024 के बीच 2,010 घटनाएं हुईं। 2025 में 522 तो 2026 के पहले 3 महीनों में 133 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें 100 से ज्यादा हत्याएं, यौन हिंसा, घर-दुकान पर हमला, मंदिरों-प्रतिमाओं की तोड़फोड़, लूट, आगजनी और जमीन कब्जे जैसी घटनाएं शामिल हैं।

राम प्रतिमा प्रोजेक्ट से पहले भी दो साल में हिंदू आस्था से जुड़े 2 प्रोजेक्ट पर रोक लग चुकी है। 2025 में कट्टपरंथियों के विरोध पर ढाका में दुर्गा मंदिर प्रशासन ने गिराई। 2024 में ढाका के उत्तरा में दुर्गा पूजा मूर्ति स्थापना पर आपत्ति के बाद उसकी जगह बदलनी पड़ी।

कट्टरपंथियों ने फंडिंग-खातों की खुफिया जांच की मांग की

कट्टरपंथी संगठन इमाम-उलमा परिषद और अन्य ने इस प्रोजेक्ट की फंडिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मांग की है कि खुफिया एजेंसियां जांच करें कि क्या किसी विदेशी सरकार या संगठन से पैसा आया है। इस मांग में परोक्ष रूप से भारत की ओर इशारा माना जा रहा है। विरोधियों ने इस पहल से जुड़े लोगों के बैंक खातों व संपत्तियों की जांच कराने की भी मांग की है। उनका कहना है कि प्रोजेक्ट का हमारी संप्रभुता पर असर होगा।

ब्वॉयफ्रेंड की ड्यूटी भी निभानी पड़ती है : जस्टिन

कनाडा का मैच छोड़ गर्लफ्रेंड कैटी पेरी के शो में पहुंचे जस्टिन ट्रूडो

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इन दिनों अपनी लव-लाइफ और फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, वर्ल्ड कप के पहले ही दिन कनाडा का मैच छोड़कर अपनी गर्लफ्रेंड और मशहूर पॉप स्टार केटी पेरी (Katy Perry) के लाइव परफॉर्मेंस को देखने अमेरिका के स्टेडियम पहुंचने पर ट्रूडो को सोशल मीडिया पर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा।

दरअसल, स्टेडियम में केटी पेरी के परफॉर्मेंस के बाद दोनों का सरेआम एक-दूसरे को गले लगाना और किस करने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कुछ यूजर्स ने इस फैसले के असर पर सवाल उठाए और तर्क दिया कि देश के पूर्व नेता को कनाडा के मैच में शामिल होने को प्राथमिकता देनी चाहिए थी।

एक कमेंट करने वाले एक यूजर्स ने लिखा, ?लीडरशिप का मतलब है निजी रिश्तों से ऊपर देश को रखना, जबकि दूसरों ने इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। हालांकि, कई समर्थकों ने आलोचना को खारिज कर दिया और अपनी पार्टनर को सपोर्ट करने के ट्रूडो के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनके विरोधी एक निजी मामले पर जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक यूजर्स ने लिखा, आपको सच में किसी को कोई सफाई देने की जरूरत नहीं है।

अभियान : पहली बार कब्जे में लिया रूस का शैडो फ्लीट तेल टैंकर, यूक्रेन युद्ध के लिए रूस की फंडिंग रोकने का उद्देश्य

इंग्लिश चैनल में ब्रिटिश सेना का बड़ा ऑपरेशन

लंदन, एजेंसी

यूक्रेन युद्ध के लिए मॉस्को की फंडिंग रोकने के उद्देश्य से ब्रिटिश सेना ने एक बड़ा अभियान चलाते हुए पहली बार इंग्लिश चैनल में रूस के एक 'शैडो फ्लीट' (गुप्त बेड़े) के तेल टैंकर 'SMYRTOS' को रोका है। रविवार तड़के, ब्रिटेन के समुद्री क्षेत्र में छह घंटे चले एक अभियान के दौरान, रॉयल मरीन कमांडो और राष्ट्रीय अपराध एजेंसी के विशेष रूप से प्रशिक्षित अधिकारियों ने SMYRTOS नामक जहाज पर धावा बोला। इस रूसी जहाज पर चिनूक हेलीकॉप्टर और दूसरे एयरक्राफ्ट, एक फ्रिगेट और एक माइनहंटर की मदद से कब्जा किया।

नेतृत्व की चुनौतियों से जूझ रहे और पिछले सप्ताह सैन्य खर्च के विवाद में अपने रक्षा सचिव को खो चुके प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने मार्च में ब्रिटिश सेना को रूसी जहाजों पर कार्रवाई करने और उन्हें रोकने की अनुमति दी थी।

पश्चिमी सरकारों का आरोप है कि ये 'शैडो फ्लीट' जहाज कड़े पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद मॉस्को को अवैध रूप से तेल निर्यात करने में मदद करते हैं।

नहीं पड़ा कोई खास असर

हालांकि, रॉयटर्स के एक विश्लेषण के मुताबिक, प्रधानमंत्री के इस कड़े रुख का ब्रिटेन के जलक्षेत्र से गुजरने वाले रूसी जहाजों की संख्या पर तत्काल कोई खास असर नहीं पड़ा है। इस विश्लेषण से साफ हुआ कि इस नीतिगत घोषणा के पहले और बाद में ब्रिटेन के समुद्री क्षेत्र से गुजरने वाले रूसी जहाजों की संख्या लगभग समान बनी रही।

> **इस अभियान में मैरीटाइम एयर ग्रुप के विमानों, जिनमें चिनूक, मर्लिन एमके4 और वाइल्डकैट हेलीकॉप्टर शामिल थे, साथ ही आरएएफ के पी-8 निगरानी विमान और रॉयल नेवी के युद्धपोत एचएमएस सदरलैंड और एचएमएस लेडबरी ने भी सहयोग किया।**

ब्रिटिश सेना ने रविवार को इंग्लिश चैनल में जिस कैमरून के झंडे के नीचे चल रहे जहाज को रोका, वह पहली बार यूक्रेन में रूस के युद्ध को फंड जुटाने में मदद किया था। । रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कार्रवाई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों के अनुरूप की गई है। यह अभियान पहली बार है जब ब्रिटेन ने रूस के गुप्त बेड़े से जुड़े किसी पोत के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई का नेतृत्व किया है।

रूस के लिए बड़ा झटका- कीर स्टार्मर

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने X पर एक पोस्ट में कहा, इस सफल ऑपरेशन ने रूस को एक और बड़ा झटका दिया है। यह यूक्रेन में पुतिन के युद्ध को हवा देने वालों को याद दिलाता है कि हम उन्हें छिपने नहीं देंगे। इस ऑपरेशन के बाद ब्रिट्रेन की ओर से एक सरकारी बयान में कहा गया कि टैंकर को इंग्लैंड के दक्षिणी तट के पास एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है, जहां जांच जारी रहने तक उस पर निगरानी रखी जाएगी। यह ऑपरेशन फ्रांस के साथ करीबी तालमेल में किया गया है।

100% इथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां, सरकार ने दी मंजूरी

नागपुर, एजेंसी

केंद्र सरकार ने देश में 100% शुद्ध इथेनॉल को बतौर ईंधन इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, 13 जून को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस फैसले से जुड़े नियमों और रेगुलेशंस को अंतिम रूप देने वाली फाइल पर उन्होंने साइन कर दिए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल (फॉसिल फ्यूल) के इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले प्रदूषण को रोकना है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस बदलाव को स्वीकार कर लिया है और कई बड़ी कंपनियां 100% इथेनॉल से चलने वाले वाहन बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गडकरी के मुताबिक, टोयोटा , सुजुकी, MG और हुंडई सहित अन्य कंपनियां अगले 6 हफ्तों के भीतर अपने ऐसे नए मॉडल्स भारतीय बाजार में लॉन्च करने जा रही हैं जो पूरी तरह इथेनॉल पर चलेंगे। नितिन गडकरी ने जोर देकर कहा कि इथेनॉल पेट्रोल के मुकाबले किफायती और टिकाऊ विकल्प बनकर उभर सकता है। भारत अभी अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा विदेशों से क्रूड ऑयल इम्पोर्ट करके पूरा करता है, जिससे देश के खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ता है।

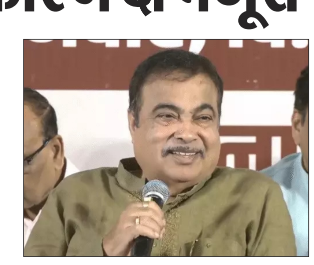

गडकरी बोले- 6 हफ्ते में कंपनियां इसके लिए गाड़ियां लॉन्च करेंगी प्रदूषण और पेट्रोल खर्च घटेगा

तमसा संकेत

tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533

R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676

C M Y K